इलाज के साथ बीमारी के बारे में भी किया 02
नवजात के गर्भ में आने से लेकर मरने तक 06
आईपीएल मिनी ऑक्शन आज.....08

लखनऊ से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिटीज़न वॉयस

अवाम की आवाज़

RNI NO - UPHIN/2009/28809
डाक पंजीयन संख्याः- 88P/LWNP-305/2013-2016

www.citizenvoice.in

वर्ष- 15 | अंक-170 | लखनऊ, मंगलवार 19 दिसम्बर 2023 | मूल्यः 01 रूपये | पेज- 8

सोना : 63,760
चांदी : 78,000
शेयर मार्केट : 71,315.09

एक दिन में 78 सांसद पूरे सत्र के लिए सस्पेंड

इनमें 33 लोकसभा और 45 राज्यसभा के

दिल्ली, एजेंसी।

संसद के शीतकालीन सत्र के 11वें दिन (18 दिसंबर) दोनों सदनों से 78 सांसद सस्पेंड कर दिए गए। असल में संसद में सुरक्षा चूक के मसले पर लोकसभा में लगातार चौथे दिन हंगामा हुआ। लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने 33 सांसदों को सस्पेंड कर दिया। इनमें नेता अधीर रंजन चौधरी समेत कांग्रेस के 11 सांसद, तृणमूल कांग्रेस के 9, डीएमके के 9 और 4 अन्य दलों के सांसद शामिल हैं।

इसके बाद राज्यसभा में भी हंगामा हुआ। इसके चलते सभापति जगदीप धनखड़ ने 45 विपक्षी सांसदों को पूरे सत्र के लिए (22 दिसंबर तक) निलंबित कर दिया। इनमें से 11 सांसदों का मामला प्रिविलेज कमेटी को सौंपा गया है। कमेटी सत्र खत्म होने के बाद ही निलंबन पर सुनवाई करेगी। ऐसे में इन 45 सांसदों की इस सत्र में एंट्री नामुमकिन है। इससे पहले 14 दिसंबर को लोकसभा से 13 सांसद निलंबित किए गए थे। इनमें कांग्रेस के 9, CPI (M) के 2, DMK और CPI के एक-एक सांसद थे। इनके अलावा राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन को भी 14 दिसंबर को सस्पेंड किया गया था। शीतकालीन सत्र से अब तक कुल मिलाकर 92 सांसदों को सस्पेंड किया जा चुका है।

राज्यसभा में सांसदों की संख्या 245 है। इसमें भाजपा और उसके सहयोगी दलों के 105, I.N.D.I.A के 64 और अन्य 76 हैं। इनमें से विपक्ष के 46 सांसद पूरे सेशन के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, लोकसभा में इस समय सांसदों की संख्या 538 है। इसमें NDA के 329, I.N.D.I.A के 142 और अन्य दलों के 67 सांसद हैं। इनमें से 46 सांसद पूरे सत्र के लिए सस्पेंड हो चुके हैं। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक के. विक्रमराव के मुताबिक संसद से एक दिन में इतनी बड़ी संख्या में सदस्यों का निलंबन पहली बार हुआ है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने कार्यवाही शुरू होते ही 15 मिनट की स्पीच दी। कहा कि घटना पर राजनीति होना दुर्भाग्यपूर्ण है। हंगामा बढ़ा तो सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित हो गई। बाद में यह 2 बजे और फिर कल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

नारे लगाने के लिए अध्यक्ष के आसन पर चढ़ गए थे

बताया गया कि जिन सांसदों पर निलंबर की गाज गिरी है, उनमें से 30 को बचे हुए शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा तीन अन्य सांसदों को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया है। इनमें के. जयकुमार, विजय वसंत और अब्दुल खालिक शामिल हैं। ये सभी नारे लगाने के लिए अध्यक्ष के आसन पर चढ़ गए थे। लोकसभा अध्यक्ष की ओर से नाम पुकारने के बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने निलंबन के संबंध में एक प्रस्ताव पेश किया। इसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। इसके बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

पीएम ने काशीवासियों पर की सौगातों की बारिश

मोदी की गारंटी वाली गाड़ी सुपरहिट हो गईः मोदी

वाराणसी, संवाददाता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दूसरे दिन सोमवार को बरकी में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम में महिला लाभार्थियों से वार्ता कर सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उन्हें मिल रहे लाभों के बारे में जानकारी ली। पीएम ने सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के बरकी में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' में कार्यक्रम के अवसर पर आयोजित जनसभा में हमेशा की तरह लोगों को 19154.52 करोड़ की 37 विकास एवं निर्माण परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होनें 12578.91 करोड़ की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण और 6575.61 करोड़ लागत की 14 परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

काशी की जनसभा में मोदी का योगी ने किया स्वागत, बोले-

2047 में देश को विकसित भारत बनाएंगे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वाराणसी के बरकी जनसभा में स्वागत करते हुए कहा कि ये नया भारत मोदी की गारंटी का है। देश के अंदर ये परिवर्तन विश्वास का परिवर्तन है। उन्होंने लोगों से इस विकसित भारत संकल्प यात्रा को आगे बढ़ाने की अपील करते हुए कहा कि हम 2047 में भारत को विकसित भारत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशवासी नए भारत की अनुभूति कर रहे हैं। 140 करोड़ देशवासियों का विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि देश में पहली बार गरीब किसी सरकार का एजेंडा बने हैं। बिना किसी भेदभाव के। यह मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाभार्थियों से सीधा संवाद करने की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पहली बार देश का कोई प्रधानमंत्री समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे लोगों के साथ मिल-बैठकर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन व उसके प्रगति की जानकारी ले रहे हैं। इतना ही नहीं लोगों के हितों के लिए आगे और क्या किया जा सकता है उसकी भी चर्चा प्रधानमंत्री सीधे लोगों से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन लोगो के विश्वास का है।

पर्यटन बढ़ने से काशी के लोगों की आय बढ़ गई :मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा एक चलता फिरता विश्वविद्यालय है। इन दो दिनों में मैंने बहुत कुछ सीखा। आज की परियोजनाओं से काशी के विकास को गति मिलेगी। मैंने लाल किले से कहा था। हमें कम से कम 15 शहरों में घूमना चाहिए। मुझे खुशी है जो पहले विदेश घूमने जाते थे वो आज अपना देश घूम रहे हैं। पर्यटन बढ़ता है तो विकास बढ़ता है। पर्यटन बढ़ने से काशी के लोगों की आय बढ़ गई है। इसके लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

मोदी बोले-काशी के लोगन से हम्मे एकठे ही शिकायत है

मोदी ने बरकी में बनारसी बोली में संबोधन शुरू किया। कहा- हम्मे एकठे ही शिकायत है, काशी के लोगन से... कही हम आपन शिकायत? ऐ साल देव दीपावली हम न रहिला और ऐदा पारी देव दीपावली पर काशी के लोग सब मिलकर रिकॉर्ड तोड़ देहलन। इस बार विदेशी मेहमानों ने देव दीपावली का अद्भुत दृश्य देखा। दिल्ली में मुझसे पूरा हाल बताया। कई विदेशी मेहमान और जी-20 के लोगों ने मुझसे तारीफ की तो मेरा मस्तक काफी ऊंचा हो गया। महादेव की काशी की मैं जितनी भी सेवा कर पाऊं तो मुझे कम ही लगता है।मेरे परिवार जनों जब काशी का विकास होता है तो यूपी का विकास होता है। जब यूपी का विकास होता है तो देश का विकास होता है। इसी भाव के साथ आज करीब 20 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं को दिया गया है।

पीएम ने किया स्वर्वेद महामंदिर का इनॉगरेशन

योग-मेडिटेशन का मंदिर है स्वर्वेद महामंदिर

स्वर्वेद से जुड़े चिराग पटेल ने बताया कि इस मंदिर का नाम स्वर्वेद है। स्वर्वेद 2 शब्दों से मिलकर बना है स्वः और वेद, स्वः का एक अर्थ है आत्मा, वेद का अर्थ है ज्ञान। स्वः का दूसरा अर्थ है परमात्मा, वेद का अर्थ है ज्ञान। तप साधना के जरिए अनुभूत ज्ञान को स्वर्वेद ग्रंथ के रूप में अभिव्यक्त करने वाले महर्षि सदाफलदेव महाराज ने जो लिखा हम सभी उसी का अनुसरण करते हैं। स्वर्वेद मंदिर में उनकी 113 फीट ऊंची प्रतिमा लगाई जाएगी। इसमें किसी विशेष भगवान की पूजा नहीं, बल्कि मंत्रों के आधार पर योग और मेडिटेशन किया जाता है।

अच्छा भाषण देती हो, कहीं चुनाव लड़ने का इरादा...पीएम मोदी ने महिला को दिया ऑफर

वाराणसी के उमराहा गांव में नवनिर्मित 'स्वर्वेद महामंदिर' का प्रधानमंत्री ने उद्घाटन किया. इसके साथ ही 'विकशील भारत संकल्प यात्रा' के तहत आयोजित खेल प्रतियोगिता में भी उन्होंने हिस्सा लिया. इस कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने गांव की महिलाओं से बातचीत की. कार्यक्रम के दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बेहतरीन भाषण देने के लिए चंदादेवी नाम की महिला की सराहना की. उन्होंने टिप्पणी की कि तुम बहुत अच्छा भाषण देती हो और पूछा कि क्या कभी चुनाव लड़ने पर विचार नहीं किया है?

ज्ञानवापी सर्वे की रिपोर्ट ASI ने कोर्ट को सौंपी

अमेरिका में तैयार की गई GPR रिपोर्ट

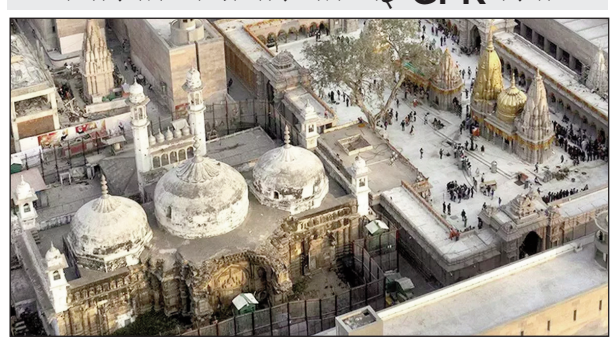

वाराणसी, एजेंसी।

ज्ञानवापी मामले में ASI के एडिशनल डायरेक्टर ने वाराणसी के जिला जज को सील बंद रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट 1000 से ज्यादा पेज की है। ASI को ज्ञानवापी के सर्वे के दौरान खंडित मूर्तियां, घड़ा, चिह्न जैसे 250 अवशेष मिले थे। इन्हें डीएम की निगरानी में लॉकर में जमा कराया गया था। इनको भी कोर्ट में पेश किया गया। सूत्रों के मुताबिक, कोर्ट को 2 पेन ड्राइव, 2 हार्ड डिस्क, 1000 पेज से अधिक की पीपीटी रिपोर्ट सौंपी गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि GPR रिपोर्ट अमेरिका में तैयार की गई है। हैदराबाद की GPR टीम ने ज्ञानवापी में सर्वे किया था।

सर्वे रिपोर्ट पेश होने से पहले मुस्लिम पक्ष यानी अंजुमन इंतजामिया ने कोर्ट में एप्लिकेशन दी। इसमें मांग की कि सर्वे की रिपोर्ट सील बंद लिफाफे में पेश हो और बिना हलफनामे के किसी को भी इसे सार्वजनिक करने की इजाजत न दी जाए। वहीं, हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि 21 दिसंबर को अगली सुनवाई है।

विष्णु शंकर जैन ने कहा कि मैंने कोर्ट में एप्लिकेशन दी है कि रिपोर्ट की कॉपी हमें दी जाए। उन्होंने ASI के सील बंद लिफाफे में रिपोर्ट पेश करने पर भी आपत्ति जताई। कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सील बंद रिपोर्ट जमा करने से मना किया था।

ज्ञानवापी के वजूखाने को छोड़कर सर्वे का था आदेश

ASI सर्वेक्षण की मांग को लेकर 16 मई को याचिका दायर की गई थी। इसे दायर करने वाली चार महिलाओं की अगुआई वकील विष्णु शंकर जैन ने की थी। हिंदू पक्ष के वकील जैन ने वहां हिंदू मंदिर के प्रतीक चिह्न मिलने का दावा किया था। इसके बाद वाराणसी के जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की कोर्ट ने 21 जुलाई 2023 को ज्ञानवापी परिसर के सील वजूखाने को छोड़कर बाकी सभी हिस्से और तहखानों के सर्वे का आदेश दिया था।

24 जुलाई, फिर 4 अगस्त से जारी सर्वे 16 नवंबर तक चला

24 जुलाई को ASI की टीम ने सर्वे शुरू कर दिया था। हालांकि मुस्लिम पक्ष यानी अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी सर्वे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। इसके बाद उसी दिन यानी 24 की शाम को सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे पर रोक लगा दी थी। इसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट से ज्ञानवापी सर्वे की मंजूरी मिली। 4 अगस्त से ASI के देशभर से आए विशेषज्ञों ने सर्वे शुरू किया। 4 अगस्त से जारी सर्वे 16 नवंबर को पूरा हो गया। वाराणसी कोर्ट ने शुरुआत में सर्वे के लिए 28 दिन का वक्त दिया था। हालांकि, उसके बाद ASI की मांग पर कोर्ट ने सर्वे का वक्त 3 बार बढ़ाया।

हैदराबाद की GPR रिपोर्ट बनी देरी की वजह

ज्ञानवापी परिसर में सर्वे की सच्चाई बाहर आने के लिए हैदराबाद की ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार यानी GPR रिपोर्ट लेटलतीफी की वजह बनी है। ASI टीम में शामिल तीन विशेषज्ञों ने करीब 120 पेज की रिपोर्ट दे दी, लेकिन हैदराबाद की टीम ने GPR रिपोर्ट पूरी तरह नहीं पेश की।

माउंट आबू में लगातार दूसरे दिन पारा-1°

गुलमर्ग में तापमान -8°, बर्फ में फंसे पर्यटकों का रेस्क्यू

दिल्ली, एजेंसी।

भारी बर्फबारी के कारण जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में सोमवार (18 दिसंबर) को पारा -8 डिग्री पर पहुंच गया। राजस्थान के माउंट आबू में रविवार के बाद आज भी पारा -1 डिग्री है। पहाड़ों पर हुए स्नो फॉल के कारण मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ठिठुरन बढ़ गई है। उत्तर प्रदेश में सीजन में पहली बार पारा 3.5°C दर्ज किया गया। मप्र के पचमढ़ी में सबसे कम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

MP के कई शहरों में कोहरा

गुलमर्ग में रविवार को भारी बर्फबारी हुई। इस कारण रास्ते जाम हो गए हैं। पर्यटक वाहनों समेत बर्फ में फंस गए। इसके बाद प्रशासन ने कड़ी मशक्कत के बाद पर्यटकों और उनके वाहनों को बर्फ से बाहर निकाला। साथ ही बर्फबारी के कारण मुश्किल में फंसे स्थानीय लोगों का भी रेस्क्यू किया।

ISIS नेटवर्क केस में 4 राज्यों में NIA की रेड, 8 एजेंट गिरफ्तार

कर्नाटक, झारखंड, महाराष्ट्र और दिल्ली में 19 लोकेशंस पर छापेमारी

दिल्ली, एजेंसी।

एंटी-टेरर एजेंसी NIA ने सोमवार (18 दिसंबर) सुबह चार राज्यों की 19 लोकेशन पर छापेमारी की। ये रेड ISIS नेटवर्क केस के तहत की गई। इन 19 लोकेशन में कर्नाटक की 11, झारखंड की 4, महाराष्ट्र की 3 और दिल्ली की एक लोकेशन शामिल है। इस दौरान प्रतिबंधित ISIS के 8 एजेंट्स को गिरफ्तार किया गया। ये एजेंट आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली एक्टीविटीज और आतंकवाद को बढ़ावा देने में शामिल हैं।

नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी (NIA) ने 9 दिसंबर को महाराष्ट्र के 43 और कर्नाटक के एक ठिकाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा ठाणे रूरल में 31 जगहों, पुणे में दो, ठाणे सिटी में 9, भायंदर में एक जगह पर रेड की। जांच एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, NIA ने ISIS से जुड़े एक नेटवर्क को ढूंढ निकाला था, जो भारत में ISIS की विचारधारा को फैलाने की कोशिश कर रहे थे।

9 दिसंबर NIA ने ISIS से जुड़े नेटवर्क को ढूंढा था

गिरफ्तार किए गए लोगों में बेल्लारी के मिनाज उर्फ मोहम्मद सुलेमान सैयद समीर, मुंबई से अनस इकबाल शेख, बेंगलुरु से मोहम्मद मुनीरुद्दीन, सैयद समीउल्लाह उर्फ सामी,मोहम्मद मुजम्मिल, दिल्ली से शायान रहमान उर्फ हुसैन; और जमशेदपुर से मोहम्मद शाहबाज उर्फ जुल्फिकार उर्फ गुड्डू शामिल हैं। ये सभी मिनाज उर्फ मोहम्मद सुलेमान के नेतृत्व में काम कर रहे थे। बीते हफ्ते ह्ढ्ढ ने महाराष्ट्र की 43 लोकेशन पर रेड डालकर 15 लोगों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किया गया एक आरोपी ISIS मॉड्यूल का लीडर था और इस मॉड्यूल में नए लोगों को भर्ती करने का काम करता था।

इलाज के साथ बीमारी के बारे में भी किया गया जागरुक

अटल स्वास्थ्य मेला: नुककड़ नाटक से मेलार्थियों को किया जागरूक

10 फरवरी से शुरू होने वाले फाइलेरिया अभियान के लिए सभी ने बनाई ह्यूमन चेन

जमानुल हसन
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। राजधानी में रविवार से शुरू हुये अटल स्वास्थ्य मेले का सोमवार को चिकित्सा व परिवार कल्याण विभाग के सचिव रंजन कुमार द्वारा भ्रमण किया गया। उन्होने सभी स्टालों की विजिट की और वहाँ उपस्थित सेवा प्रदाताओं से बातचीत की इसी क्रम मे वेक्टर जनित रोगो की स्टाल मे फाइलेरिया उन्मूलन हेतु जागरूकता के उद्देश्य से आयोजित ÷एक कदम ...फाइलेरिया उन्मूलन की ओर की स्टाल पर पहुँच कर उन्होने फाइलेरिया नेटवर्क के सदस्यों से भी बात की और फाइलेरिया उन्मूलन मे उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों को ध्यामन से सुना और उनके द्वारा जन जागरूकता के लिए समय निकालने के प्रयासों को सराहा उन्होने कहा इस तरह के जन भागीदारी के प्रयासों से बीमारी को नियंत्रण करने में मदद मिलेगी।

यहां आए अपर निदेशक, मलेरिया, डॉ भानु प्रताप सिंह कल्याणी ने भी नेटवर्क सदस्यों से बात कर उनके द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम मे उनके द्वारा निभाई जा रहीं ज़िम्मेदारी और स्व देखभाल के तरीको के बारीकी से जाना और उन्होने बताया फाइलेरिया रोग के खिलाफ 10 फरवरी से चलने वाले सर्वजन दवा सेवा अभियान की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में यह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मेले में इसके लिए हस्ताक्षर अभियान, सेल्फी पॉइंट, ह्यूमन चेन और नुक्कड़ नाटक जैसी गतिविधियां जन समुदाय को 10 फरवरी से चलने वाले एम डी ए राउंड मे भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई हैं यहां सीएमओ, एसीएमओ, जिला मलेरिया अधिकारी समेत स्वास्थ्य अधिकारी भी मौजूद रहे। मच्छर जनित रोगों से बचाव की जागरूकता के सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से नुककड़ नाटक का मंचन भी हुआ। कलाकारों ने बहुत आकर्षक अंदाज में लोगों को न सिर्फ मच्छर जनित रोगो के प्रति जागरूक किया बल्कि उन्हें मच्छरों से बचने के उपाए जैसे साफ - सफाई रखने की आदत बनाना आदि के बारें मे भी संवेदित किया और अंत मे 10 फरवरी याद रखना, फाइलेरिया की दवा जरूर खाना का संदेश भी दिया। मेले मे आए लोगों ने रुचिपूर्वक नाटक को देखा और अपने मोबाइल फोन मे रिकॉर्ड भी किया 10 वर्षीय सोनू ने बताया कि मेरे घर में भी मच्छर बहुत लगते हैं। नुक्कड़ नाटक देखकर बहुत मजा आया। अब मैं भी अपने मम्मी-पापा से मच्छर से बचने के लिए इंतजाम करने के लिए कहूँगा।

मेलार्थियों ने भी अपनी समस्याएँ नेटवर्क सदस्यों को बताई।

अटल स्वास्थ्य मेला में 18 नए फाइलेरिया मरीजों की भी पहचान हुई उन्हे जांच के लिए फाइलेरिय क्लीनिक की जानकारी दी गई। यहाँ आए सुरेंद्र चंदन ने बताया कि मेरे पैर में कई वर्षों से लगातार सूजन बनी हुई है। मैंने कई निजी अस्पतालों में दिखाया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इस मेले में पता चला कि मुझे फाइलेरिया है।

त्वरित न्याय के लिए हो फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना

सज्जाद बाक़र
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
लखनऊ

गोगामेड़ी की श्रद्धांजलि सभा में क्षत्रिय संगठनों ने की माँग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश क्षत्रिय समन्वय समिति द्वारा आज दिवंगत स्वर्गीय सुखदेव सिंह गोगामेडी जी के तेरहवीं की अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षत्रिय संगठनों के प्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश क्षत्रिय समन्वय समिति ने किया था,जिसमें प्रदेश के 17 क्षत्रिय संगठन शामिल हैं । उक्त जानकारी समिति के संयोजक प्रदीप सिंह बब्बू ने दिया । इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के क्षत्रिय संगठनों ने मांग की,कि स्वर्गीय सुखदेव सिंह गोगामेडी के परिवार जनों और शुभचिंतकों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना हो,जिससे कि नियमित सुनवाई होकर हत्यारों को सजा दिलाई जा सके।क्षत्रिय संगठनों ने कहा कि श्री गोगामेड़ी के परिजनों को सुरक्षा दी जाए और गोगामेड़ी के हत्या की जिम्मेदारी लेने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो तभी न्याय की उम्मीद की जा सकती है। कार्यक्रम में शौर्य फाउंडेशन, क्षत्रिय विकास मंच, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, भारतीय क्षत्रिय समाज, क्षत्रिय महासभा संपूर्ण भारत, श्री राम सेवा समिति, राजपूताना महासभा ,श्री मां करणी सेना, श्री राजपूत करणी सेना, भारतीय क्षत्रिय महासभा, क्षत्रिय कल्याण समिति, क्षत्रिय समाज कल्याण समिति, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा अमर सिंह भदोरिया, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा एकता, क्षत्रिय चेतना परिषद के प्रतिनिधि शामिल थे।

इस अवसर पर शामिल लोगों में श्री महेन्द्र सिंह, श्री बाबा हरदेव सिंह, वरिष्ठ पत्रकार सुरेश बहादुर सिंह, राज्य मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के सचिव शिवशरण सिंह, श्रीमती जूही सिंह, अनिल सिंह, उमाशंकर सिंह कुशवाहा, पूर्व मंत्री राम सिंह राणा,गोपाल सिंह पवार, राममूर्ति सिंह, विजय सिंह टिंटू, एके सिंह, डॉक्टर जेएस चौहान, दुर्गेश सिंह दीपू ,आरपी सिंह चौहान, श्याम सिंह राठौड़, हरिशंकर सिंह, उदय प्रताप सिंह, धनंजय सिंह राणा, अमित सिंह, अमरेश सिंह, करुणेश सिंह राठौड़, भानु प्रताप सिंह, संदीप सिंह, डॉ जितेंद्र सिंह, जेपी सिंह, अरुण सिंह चंदेल, ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह, जेपी सिंह चौहान, राम अजय सिंह, अरूण सिंह, आशुतोष सिंह आज़ाद,सर्वेश सिंह, उपेंद्र सिंह, विक्की सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

लैपटाप व नकदी चोरी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के थाना सुशांतगोल्फ सिटी में मेदांता अस्पताल के सामने खड़ी कार से चोरों ने लैपटाप व नकदी साफ कर दिया। कार स्वामी अस्पताल से जब वापस लौटा तब उसको इसके बारे में जानकारी हुई। भूपेन्द्र मिश्रा पुत्र राम भास्कर मिश्रा निवासी रामसेवक पुरम हरिहरपुर निलमथा ने थाना सुशान्त गोल्फ सिटी पर सूचना दिया कि 16 दिसंबरा को वादी अपनी कम्पनी के कार्य से मेदान्ता अस्पताल गया हुआ था। अस्पताल के बाहर रोड पर अपनी कार खड़ी करके वादी अपनी कंपनी के अधिकारी मनोज तिवारी व संदीप जगीण के साथ अपने-अपने बैग को उक्त कार में ही छोड़कर मेदान्ता हॉस्पिटल के अन्दर चला गया। वादी के साथ गये कम्पनी के अधिकारी संदीप जगीण के बैग में डेल का लैपटाप, चार्जर, मोबाइल, पावर बैंक, मोबाइल चार्जर, ऑफिशियल डायरी, पर्स जिसमें क्रेडिट कार्ड, एचडीएफसी बैंक का डेबिट कार्ड आधार कार्ड व अन्य जरूरी कागजात थे व मनोज तिवारी उपरोक्त के बैग में डेल कम्पनी का लैपटाप, 35,000 रुपए नगद व कंपनी के जरूरी कागजात थे व वादी के बैग में सीएचबीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक व केनरा बैंक के क्रेडिट कार्ड व डेबिट कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड व अन्य जरूरी दस्तावेज थे।

आपकी गाड़ी से निकल रहा धुआं कहकर कार से सामान उड़ाया- चिनहट थानाक्षेत्र में एक टप्पेबाज ने गाड़ी से धुआं निकलने की बात कहकर कार से सामान निकालकर फरार हो गया। पीड़ित ईश्वर आनन्द पुत्र विनय कुमार मेहरोत्रा निवासी गुलरिया गार्दा बाराबंकी ने थाना चिनहट पर सूचना दिया कि 116 दिसंबर को वादी उबर बुक करके कृष्णानगर से बाराबंकी अपने घर पर जा रहा था कि जैसे ही वादी कमता तिराहे पर पहुंचा वादी की गाड़ी भीड़ की वजह से धीरे चलने लगी इसी बीच एक व्यक्ति ने बताया कि आपकी गाड़ी से धुंआ निकल रहा है।

प्रधानमंत्री ने वाराणसी और नई दिल्ली के बीच दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया

इसकी नियमित सेवा 20 दिसम्बर, 2023 से शुरू होगी

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बनारस और नई दिल ली के बीच दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया ।

जमानुल हसन
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। बनारस और दिल्ली के बीच पहली वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी फरवरी, 2019 में शुरू की गई थी । वंदे भारत एक्सप्रेस में सभी कोच वातानाकूलित कुर्सीयान के हैं। 22415/22416 नई दिल्ली-बनारस-नई दिल्ली वंदे भारत एक्ले सप्रेस रेलगाड़ी की नियमित सेवाएं दोनों दिशाओं में 20.12.2023 से शुरू होंगी । 22415 बनारस-नई दिल्ली वंदे भारत एक्ले सप्रेस रेलगाड़ी बनारस से प्रातः 6.00 बजे प्रस्थान करके उसी दिन दोपहर 02.05 बजे नई दिल्ली पहुँचेगी । वापसी दिशा में 22416 नई दिल्ली-बनारस वंदे भारत एक्ले सप्रेस रेलगाड़ी नई दिल्ले ली से दोपहर 03.00 बजे प्रस्ले थान करके उसी दिन रात्रि 11.05 बजे बनारस पहुँचेगी । यह रेलगाड़ी मार्ग में दोनों दिशाओं में प्रयागराज और कानपुर सेंट्रल स्टेशनों पर ठहरेगी । यह रेलगाड़ी मंगलवार को छोड़कर सप्ताह के 6 दिन सेवा प्रदान करेगी। 16 डिब्बों वाली इस रेलगाड़ी में 14 कुर्सीयान और 2 एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान होंगे । इस रेलगाड़ी में ऑनबोर्ड वाई-फाई इंफोटेनमेंट, जीपीएस-आधारित यात्री सूचना प्रणाली, आलीशान आंतरिक सज्जा, टच-फ्री सुविधाओं के साथ बायो-वैक्यूम शौचालय, विसरित एलईडी लाइटिंग, हर सीट के नीचे चार्जिंग पॉइंट, व्यक्तिगत टच-आधारित रीडिंग लाइट्स और छुपा हुआ रोलर ब्लाइंड जेसी बेहतर यात्री सुविधाएं हैं । इसके अतिरिक्त, इसमें हवा की रोगाणु-मुक्त आपूर्ति के लिए यूवी लैंप के साथ बेहतर हीट वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम भी है। इसकी सेंसर आधारित एयर कंडीशनिंग प्रणाली तापमान की स्थितियों के अनुसार वातानुकूलन को व्यवस्थित करती है । आज से प्रारंभ होने वाली दूसरी नई वंदे भारत एक्सप्रेस रेल सेवा और पहले से ही इसी रेलमार्ग पर चलने वाली रेल सेवा के बीच मुख्य अंतर यह है कि नई वंदे भारत एक्सप्रेस बनारस से सुबह प्रस्थान करेगी, जबकि पहले वाली वंदे भारत दिल्ली से सुबह के समय प्रस्थान करती है। इसलिए, यह रेलगाड़ी सुबह वाराणसी से दिल्ली, प्रयागराज या कानपुर पहुंचना चाहने वाले यात्रियों की मांग को पूरा करने में मदद करेगी ।

अयोध्या धाम में उद्यान विभाग के स्वामित्व वाले लगभग 10 पार्कों के सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश

साकेतपुरी स्थित मण्डी की भूमि में अयोध्या धाम पधारने वाले अतिथि श्रद्धालुओं हेतु 100 शयनकक्षों और आधुनिक सुख-सुविधाओं से युक्त बनाया जाय होटल -मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह

जमानुल हसन
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
लखनऊ

अयोध्या/लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने सोमवार को अयोध्या धाम में उद्यान और मण्डी परिषद् के सभी उच्चाधिकारियो, अयोध्या नगर निगम एवं अयोध्या विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। भगवान श्री राम के भव्य दिव्य मंदिर के लोकार्पण अवसर को ऐतिहासिक बनाने में प्रयासरत उत्तर प्रदेश के यशस्वी मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी का हाथ बंटाने के उद्देश्य से अयोध्या धाम में उद्यान विभाग के स्वामित्व वाले लगभग 10 पार्कों के सौंदर्यीकरण कराने का निर्देश अधिकारियों को दिया। साकेतपुरी स्थित मण्डी की भूमि में अयोध्या धाम पधारने वाले अतिथि श्रद्धालुओं हेतु 100 शयनकक्षों और आधुनिक सुख-सुविधाओं से युक्त लगभग 5 सितारा जैसा होटल बनाकर उपलब्ध कराये जाने हेतु मण्डी के अधिकारियों से प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिये। इस होटल में देश और दुनिया के अतिथि श्रद्धालुओं/ पर्यटकों को कम किराये पर रूम उपलब्ध कराने का उद्देश्य है। इसी भाँति उद्यान विभाग के स्वामित्व वाले गुप्तार घाट पार्क में एक अतिथि गृह का निर्माण किये जाने का भी निर्णय लिया गया है। प्रवास के दौरान श्री अयोध्या तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी आदरणीय श्री चम्पत राय जी एवं आदरणीय श्री अनिल मिश्रा जी के साथ बैठक कर आगामी 22 जनवरी, 2024 को होने वाले आयोजन में उद्यान और मण्डी परिषद् की भूमिका का निर्धारण किया। तद्परान्त हनुमान गढ़ी में हनुमान जी के दर्शन कर भगवान श्री राम जी के निर्माणाधीन भव्य राम मंदिर की छवि के दर्शन भी किये।

होटल बुक कराने के नाम पर 7 लाख 90 हजार की ठगी

साइबर क्राइम सेल ने 6,50,000.00 रुपये कराया वापस

लखनऊ। शिकायतकर्ता के एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड से ऑनलाईन होटल बुक कराने के नाम पर ठगी के प्रकरण में साईबर क्राइम सेल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 6,50,000.00 रुपये शिकायतकर्ता के खाते में कराये गये वापस। शिकायतकर्ता बिमल कुमार दुबे के द्वारा अवगत कराया गया कि उनसे फ्रॉडस्टरों द्वारा ऑनलाईन होटल बुक कराने के नाम पर क्रेडिट कार्ड की जानकारी लेकर 7,90,308 रुपये की ठगी कर ली गयी थी। जिसके सम्बन्ध में शिकायतकर्ता द्वारा साइबर क्राइम सेल में शिकायत दी गयी। प्रभारी निरीक्षक सतीश साहू ने बताया कि शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक व कंपनियां से इलेक्ट्रानिक पत्राकार कर संदिग्ध खातों को फ्रीज कराते हुए 6,50,000.00 रुपये पीड़ित के खाते में रविवार को वापस कराये गये।

एलडीए के विशेष निबंधन शिविर में उमड़ी भीड़, 107 आवंटियों ने करायी रजिस्ट्री

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के निर्देश पर आवंटियों से समन्वय बनाकर करायी जा रही रजिस्ट्री

सिटीज़न वॉयस, संवाददाता

लखनऊ। विकास प्राधिकरण की विभिन्न आवासीय एवं व्यावसायिक सम्पत्तियों की रजिस्ट्री के लिए लगाये गये विशेष निबंधन शिविर में सोमवार को भी भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान 107 आवंटियों के पक्ष में रजिस्ट्री की कार्यवाही की गयी, जबकि रजिस्ट्री के लिए 05 नये प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। अपर सचिव ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा विभिन्न आवासीय एवं व्यावसायिक सम्पत्तियों का आवंटन किया गया है। इनमें काफी संख्या में

सम्पत्तियों की रजिस्ट्री अभी तक नहीं हो पायी है। इसे ध्यान में रखते हुए आवंटियों की सहूलियत के लिए 5 दिसंबर से 20 दिसंबर तक प्राधिकरण भवन के बारादरी लॉन में विशेष निबंधन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को कैम्प में प्राधिकरण के गणना, लेखा, नियोजन व सम्पत्ति अनुभाग के समस्त सम्बंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ निबंधन विभाग की टीम भी मौजूद रही। इससे सम्पत्तियों के निबंधन सम्बंधी दस्तावेज तैयार करने तथा उनके पंजीयन की कार्यवाही एक ही जगह सम्पादित की गयी। दिन भर चली कार्यवाही के दौरान 107 आवंटियों की रजिस्ट्री की गयी।

अकबरनगर में लगे विशेष शिविर में 08 विस्थापितों ने आवास के लिए कराया पंजीकरण

लखनऊ। अकबरनगर प्रथम व द्वितीय में कुकरैल नदी व बंधे के विस्थापितों को आवास व दुकानें आवंटित करने के लिए सोमवार को भी विशेष पंजीकरण शिविर लगाया गया। इस दौरान 04 विस्थापितों ने प्रधानमंत्री आवास के लिए पंजीकरण कराया, जबकि 04 लोगों ने डूडा की आसरा आवास योजना के लिए फार्म भरे। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि अकबरनगर प्रथम व द्वितीय में कुकरैल नदी व बंधे के विस्थापितों को आवास व दुकानें आवंटित की जा रही हैं। जिसके लिए पंजीकरण कराने में विस्थापितों को किसी तरह की कोई दिक्कत न हो, इसके लिए उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देशानुसार दिनांक-09.12.2023 से दिनांक-21.12.2023 तक अकबरनगर पुलिस चैकी के निकट ही विशेष पंजीकरण शिविर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सोमवार को कैम्प में पहुंचे लोगों ने योजना व पंजीकरण के सम्बंध में पूरी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान 18 लोगों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के फार्म लिये। जिसमें से अकबरनगर प्रथम के अवसान कश्यप, शाह मोहम्मद, तरूण विश्वास एवं इसलामुन निशा ने समस्त दस्तावेजों के साथ 5 हजार रूपये जमा कराके प्रधानमंत्री आवास के लिए पंजीकरण कराया। इसके अलावा मो0 इरफान, माला देवी, मो0 जमील एवं परवीन ने डूडा आसरा आवास योजना के लिए पंजीकरण कराया।

एलडीए ने सुल्तानपुर रोड स्थित खुर्दही बाजार में अवैध निर्माण ध्वस्त किया

लखनऊ। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा शहर में अवैध निर्माण/प्लाटिंग के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देशों के क्रम में सोमवार को प्रवर्तन जोन-1 की टीम ने सुशांत गोल्फ सिटी थानाक्षेत्र के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए खुर्दही बाजार में एक अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की। प्रवर्तन जोन-1 की जोनल अधिकारी प्रिया सिंह ने बताया कि सुनील अग्रवाल व अन्य द्वारा सुल्तानपुर रोड स्थित खुर्दही बाजार में लगभग 3500 वर्गफिट क्षेत्रफल में अवैध रूप से निर्माण कार्य कराया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे उक्त अवैध निर्माण के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किये गये थे। इसके अनुपालन में आज सहायक अभियंता शिवा सिंह के नेतृत्व में अवर अभियंता सत्यवीर सिंह व सुरेन्द्र द्विवेदी द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करायी गयी। इस दौरान बिल्डर द्वारा स्थल पर निर्मित किये गये कॉलम आदि को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

सेंध लगने के पहले ही दबोचा गया चोर

अंधेरे का फायदा उठाकर अन्य साथी हुए फरार

लखनऊ। गोसाईगंज बस स्टॉप के पास रविवार की देर रात रमाकांत सोनी की आभूषणों की दुकान में सेंध लगा रहे एक चोर को पकड़ लिया गया लेकिन उसके साथी अंधेरे का फायदा उठा कर फरार हो गए। फिलहाल एक बड़ी चोरी होने से बच गई। पकड़े गए युवक के पास से एक गैस सिलेंडर और अन्य सामान बरामद किया गया है। गोसाईगंज कोतवाली प्रभारी दिनेश चंद्र मिश्रा ने बताया की रविवार को देर रात में सूचना मिली की बस स्टॉप के पास में स्थित गोसाईगंज बाजार निवासी रमाकांत सोनी की रवि ज्वेलर्स के नाम से स्थित सोने चांदी की दुकान के पीछे अज्ञात लोग सेंध लगा रहे हैं। सूचना मिलते ही उप निरीक्षक नरेंद्र कनौजिया और उनके साथ हमराही आरक्षी पंकज कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी पहुंच गए और लोगों की मदद से एक चोर को दबोच लिया। उसके साथी अंधेरे में भाग निकले।

एसजीपीजीआई के ऑपरेशन थियेटर में वेंटिलेटर फटा...2 मरीजों की मौत

लखनऊ के अस्पताल में महिला और 31 दिन की बच्ची के ऑपरेशन के दौरान लगी आग

सिटीज़न वॉयस, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ (संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस) के पुराने ऑपरेशन थियेटर में सोमवार को वेंटिलेटर फटने से आग लग गई। इस हादसे में दो मरीजों की मौत हो गई। 2 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के वक्त एक महिला की एन्डो सर्जरी और एक बच्ची की हार्ट सर्जरी हो रही थी। पीजीआई के डॉक्टरों ने बताया कि मरने वाली महिला 26 साल की तैय्यबा पीलीभीत की रहने वाली थी। जबकि बच्ची अभी मात्र 31 दिन की थी। इसलिए उसका नामकरण भी नहीं हो पाया था। उसकी मां का नाम नेहा और वह गाजीपुर की रहने वाली है। आग लगने से वहां कई लोग फंस गए। ऑपरेशन थियेटर में भी काफी धुआं भर गया।

पुलिस-प्रशासन की टीम ने खिड़की से अंदर फंसे लोगों को निकाला। फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

प्राण प्रतिष्ठा के दौरान रामभक्तों के लिए तीन स्थानों पर होगी रूकने की व्यवस्था

कारसेवकपुरम में एक हजार लोगों के लिए की जा रही व्यवस्था

16 जनवरी से शुरू हो जाएगा प्राण प्रतिष्ठा का पूजन

सिटीज़न वॉयस, संवददाता

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि पर बन रहे भव्य राम मन्दिर में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कार्यक्रम में आने वाले रामभक्तों के लिए ठहरने से लेकर चाय, भोजन और अस्पताल की पूरी व्यवस्था की जायेगी। उक्त जानकारी सोमवार को प्रेसवार्ता के दौरान श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने दी। उन्होंने बताया कि अयोध्या आने वाले राम भक्तों के रुकने की व्यवस्था तीन स्थानों पर करवाई जा रही है। कारसेवकपुरम में 1000 लोगों के लिए डोरमेट्री बनाई गई है। 850 लोगों के रुकने की व्यवस्था टिन कंपार्टमेंट में होगी। इसके अलावा विभिन्न मठ-मंदिरों और गृहस्थ परिवारों की ओर से 600 कमरे उपलब्ध कराए गए हैं। बताया 25 दिसम्बर से तीन प्रमुख स्थानों पर भंडारा भी प्रारम्भ हो जाएगा।

उन्होंने बताया कि समारोह में विभिन्न प्रदेशों के 150 परम्पराओं के साधु-संतों समेत 13 अखाड़े और छह दर्शन परम्परा के शंकराचार्य आदि शामिल होंगे। उन्होंने जानकारी दी कि करीब चार हजार संतों को आमंत्रित किया गया और इसके अलावा 2200 गृहस्थों को भी निमंत्रण दिया गया है। चंपत राय ने कहा कि काशी विश्वनाथ, वैष्णोदेवी जैसे प्रमुख मंदिरों के प्रमुखों, धार्मिक व संवैधानिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि बताया कि विश्व विख्यात आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा, केरल की अम्मा, योग गुरू बाबा रामदेव समेत सिने स्टार रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, माधुरी दीक्षित, अरुण गोविल, निर्देशक मधुर भंडारकर समेत प्रमुख उद्योगपतियों में अनिल अंबानी, मुकेश अंबानी, रतन टाटा के पुत्र, प्रख्यात चित्रकार वासुदेव कामत, इसरो निदेशक नीलेश देसाई समेत तमाम विशिष्ट हस्तियां समारोह की साक्षी होंगी।

ट्रस्ट महासचिव चम्पतराय ने कहा कि मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सर संघचालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल और सभी ट्रस्टी राम मंदिर के प्रांगण में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा कई अन्य गणमान्य भी राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम के साक्षी बनेंगे। उन्होंने कहा कि उद्घाटन कार्यक्रम को देखते हुए विशेष टेंट सिटी बसाई गई है। ठंड के मौसम को देखते हुए इन एयरटाइट टेंट्स में हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह सुविधा अयोध्या आने वाले ऋषि-मुनियों, संतों और सामान्य भक्तों के लिए उपलब्ध होगी। इस अवसर पर डॉक्टर, छोटा अस्पताल, दवाएं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस और अन्य संसाधन मौजूद होंगे। चौबीस घंटे चलने वाले भोजनालय और दो हजार से अधिक शौचालय की भी व्यवस्था की गई है। इस तरह की हर तैयारी को 15 जनवरी तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ठंड में लोगों को परेशानी न हो, इसे देखते हुए जगह-जगह पर लगातार अलाव जलाने की व्यवस्था भी की गई है। इसके लिए पर्याप्त मात्रा में लकड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। पार्किंग से लेकर सुरक्षा जांच तक हर तरह की व्यवस्था की गई है। लोगों को निवास से लेकर मंदिर स्थल तक भक्तों को ले जाने के लिए विशेष वाहनों की व्यवस्था की गई है। ट्रस्ट का प्रयास है कि इस दौरान लोगों को मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या न हो। इसके लिए कुछ कंपनियों से बात करके इतनी बड़ी संख्या में भी लोगों को नेटवर्क और इंटरनेट की समस्या न हो, इसका प्रयास किया जा रहा है। ट्रस्ट के महासचिव ने बताया कि 16 जनवरी से प्राण प्रतिष्ठा के लिए पूजन प्रारम्भ होगा। यह 22 जनवरी प्राण प्रतिष्ठा तक चलेगा। उसके बाद 24 से 48 दिनों का उत्तर भारत की परम्परा के अनुसार मंडल पूजन होगा। 23 जनवरी से आमजन रामलला के दर्शन कर सकेगें। बताया कि वर्तमान में जहां भगवान विराजमान हैं वहां दर्शन पूजन बंद करने पर विचार चल रहा है। ताकि भीतरी कार्य अतिशीघ्र पूरे हो सकें।

स्मार्ट क्लास का शुभारम्भ

डीएम आंगनबाड़ी केन्द्र में लनिंग लैब का किया उद्घाटन

सिटीज़न वॉयस, संवददाता

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने प्राथमिक विद्यालय कुरांवा शिक्षा क्षेत्र मसौधा में स्मार्ट क्लास तथा आंगनबाड़ी केन्द्र कुरांव में लनिंग लैब का फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केन्द्र में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा बच्चों का अन्प्राशन भी किया तथा आंगनबाड़ी के बच्चों को फल व मिष्ठान वितरित किये। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने किचेन का भी निरीक्षण किया तथा रसोईयों को नियमित अच्छा भोजन बच्चों को प्रदान करने को कहा। इस दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान व अध्यापकों को ग्राम के शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन विद्यालय में सुनिश्चित करने तथा विद्यालय में नामांकित बच्चों का नियमित विद्यालय में शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालय शरीर है और विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था व बच्चे आत्मा है। यह सब सही होने चाहिए तथा शिक्षक का कर्तव्य बच्चों को ज्ञान से जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चों की प्राथमिक शिक्षा बेहतर एवं अच्छी होगी तो निश्चित रूप से वे सफल होंगे। अतः प्राथमिक शिक्षक का कार्य सबसे महत्वपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है उसे सभी शिक्षक पूरी गम्भीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निभायें। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि यह अच्छी बात है कि इस गांव में कोई भी कुपोषित बच्चा नही है। इस हेतु आंगनबाड़ी एवं आशा की उन्होंने सराहना की। सभी ए0एन0एम0 को नियमित ए0एन0सी0 रजिस्टर को अद्यतन रखने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु राज्य, जनपद एवं विकासखण्ड स्तर पर समन्वय बनाये रखने, ऑनसाइट डाटा संग्रह, उपलब्ध सूचनाओं का संरक्षण, क्रियान्वित की जा रही गतिविधियों की रिपोर्टिंग, प्रशासनिक कार्यो में सहभागिता एवं समग्र शिक्षा के अन्तर्गत संचालित विभिन्न कार्यो के निष्पादन हेतु जनपद के 12 ब्लॉक संसाधन केन्द्रों पर आई0सी0टी0 लैब की स्थापना चयनित वेण्डर द्वारा सामग्रीध्उपकरण उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के 64 परिषदीय विद्यालयों में 64 स्मार्ट क्लास विगत वित्तीय वर्ष 2022-23 में क्रिटिकल गैप, कम्पोजिट ग्राण्ट, ग्राम प्रधान निधि के माध्यम से संचालित है एवं वर्तमान में 120 स्मार्ट क्लास, जिला खनिज निधि द्वारा स्वीकृत है इस कार्य हेतु ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है जिसका कार्य यथाशीघ्र प्रारंभ करने हेतु जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है साथ ही जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियन्ता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को समस्त स्मार्ट कक्षाओं में उच्च गुणवत्ता के उपकरणों का उपयोग करने के निर्देश दिए है। इसी के साथ ही बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जनपद में 225 स्मार्ट क्लास स्थापित किये जाने हेतु विद्यालय चयनित किये जा चुके हैं। इनका कार्य भी शीघ्र प्रारंभ कर दिया जायेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि विद्यालयों में स्मार्ट क्लास के संचालन से दीक्षा पोर्टल पर उपलब्ध शिक्षण सम्बन्धी कक्षा एक से आठ तक के समस्त वीडियों कंटेंट उपलब्ध होने से बच्चों को कठिन से कठिन विषय व सवालों को सीखने में आसानी होती है। इससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति रूचि जागृत होती है व बच्चों का मन पढ़ाई में लगा रहता है। इससे प्री-प्राइमरीध्प्राइमरी कक्षा के बच्चे खेल-खेल में पढ़ने-लिखने, जोड़-घटाव, गुणा-भाग इत्यादि बेहतर एवम् आसानी से सीख सकेंगे। इस से बच्चें मन लगाकर चीजों को आसानी से सीखते और समझते है। इस दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत भवन सोफिया पारा के परिसर में वृक्षारोपण किया तथा पंचायत भवन व उसमें स्थित पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया। पुस्तकालय का बेहतर सदोपयोग करने तथा नियमित न्यूज पेपर व मैगजीन की उपलब्धता के साथ ही अच्छे प्रकाशन की और प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें रखने के निर्देश दिये। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/बी0डी0ओ0 मसौधा पूजा साहू, बीएसए, जिला कार्यक्रम अधिकारी, सम्बंधित ग्राम प्रधान, बच्चें व अभिभावक उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त ने राठ तहसील पहुंचकर निर्वाचन संबंधी कार्यो का किया निरीक्षण

हमीरपुर। आज दोपहर मंडलायुक्त चित्रकूट धाम बाल कृष्ण त्रिपाठी ने राठ तहसील पहुंच 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान से संबंधित विभिन्न कार्यो का अवलोकन किया। इस दौरान तमाम अधिकारी मौजूद रहे। आज मंडलायुक्त चित्रकूट धाम बांदा श्री बाल कृष्ण त्रिपाठी ने राठ तहसील पहुंच 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव के मद्देनजर मतदाता सूची, बूथों की स्थिति सहित अन्य अभिलेखों का मुआयना किया।उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को नए मतदाता बनाने संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।इस दौरान एसडीएम विपिन कुमार शिवहरे,तहसीलदार अभिनव चंद्रा, नायब तहसीलदार वीरपाल सिंह, प्रमिल सचान सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गन्ना क्रय केंद्रों पर किसानों से हो रही घटतौली

सोहावल-अयोध्या। चीनी मिल से जुड़े क्रय केंद्रों पर तौल कर्मी ट्रांसपोर्टर से मिलकर किसानों को लूट रहे है। तौल में एक कुंतल की जबरन कटौती की जा रही है। ट्राली से गन्ने की उतरवाई 150 रूपये जबरन वसूला जा रहा है। यह खेल तौल कांटा शुरू होने के बाद ही शुरू हुआ जो अब तक जारी है। इसकी शिकायत किसान करते हैं,तो क्रय केंद्रों पर तैनात ट्रांसपोर्टर के मजदूर एतराज करने वाले किसानों का गन्ना ट्राली से न उतारने की धमकी देते है। मसौधा के क्रय केंद्र बरवा में शनिवार को लखौरी के किसान श्याम प्रसाद तहसीनपुर के विकास आदि ने इसी विवशता में अपना तौल कराया और अवैध वसूली की रकम ट्रांसपोर्टर के मजदूरों को अदा किया।

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर गोष्ठी आयोजित

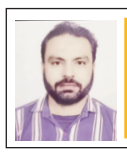

सैय्यद जामिन
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
हमीरपुर

हमीरपुर। समाज के कम संख्या वाले समुदायों के उत्थान के लिए उन्हें दिए गए विशेष अधिकारों से अवगत कराने के उद्देश्य से अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी हिमांशु अग्रवाल रहे। मौदहा कस्बे के मदरसा रहमानिया अनवारुल उलूम में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अल्पसंख्यक अधिकार दिवस मनाया गया और उसके चलते एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसके माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय को संविधान द्वारा दिए गए विशेष अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई साथ ही अधिकारों और कर्तव्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बताते चलें कि भारतीय संविधान में मुस्लिम, सिक्ख,ईसाई, पारसी, जैन, बौद्ध सहित अन्य कम संख्या में पाए जाने वाले सम्प्रदायों को अल्पसंख्यक समुदाय की श्रैणी में रखा गया है और उन्हें कुछ विशेषाधिकार दिए गए हैं।तभी से प्रत्येक वर्ष आज के दिन अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है।इस दौरान आयोजक मदरसा रहमानिया के प्रधानाचार्य अताउर्रहमान कादरी, प्रधानाचार्य रहमानिया कालेज डा.रजिया सुल्ताना,मदरसा यादगार मोहम्मदी हुसैनी के सरबराह नसीम आलम,मदरसा बाबा नूरे निजामी दीवान शहीद से मेराज उददीन, हाफिज रफीक, आकिल बिजनौरी,मास्टर सफीर,बीजेपी जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा अमरजीत सिंह अरोड़ा, अल्पसंख्यक मोर्चा से हिना परवीन सहित सभी स्कूलों के बच्चे और अध्यापक मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं को विकसित भारत अभियान से किया गया जागरूक

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा, खेल संस्थान एवं समाजकार्य विभाग में प्रधानमंत्री के विकसित भारत-2047 के जागरूकता कार्यक्रम के क्रम में सोमवार को शारीरिक शिक्षा, खेल संस्थान के निदेशक प्रो0 सन्त शरण मिश्र ने बताया कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए आधार संरचना को मजबूत करना होगा। वर्तमान में आयुष्मान भारत, स्वास्थ्य बीमा जैसी अन्य पहलों से देश को लाभ हुआ है। प्रो0 मिश्र ने छात्र-छात्राओं से कहा कि देश के छोटे-छोटे शहरों को विकसित बुनियादी सुविधाओं से उन्नत बनाना है। कार्यक्रम में प्रो0 मिश्र ने शिक्षा तथा नारी सशक्तिकरण पर भी अपने विचार दिए। वही दूसरी ओर शनिवार को कुलसचिव सभागार में विकसित भारत-2047 को लेकर कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यो एवं प्रबंधकों के साथ बैठक हुई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास कार्यों एवं निर्माण कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

सैय्यद जामिन
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
हमीरपुर

हमीरपुर । शासन की प्राथमिकताओं एवं विकास कार्यो तथा निर्माण कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में बिना सूचना के अनुपस्थित श्रम परिवर्तन अधिकारी असद खान का जिलाधिकारी ने स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि विभागों द्वारा अपनी कार्य प्रणाली में सुधार कर विभागीय कार्यों को गति दी जाए तथा जनपद की रैंक में सुधार किया जाय। डीएम ने कहा कि ऐसे सभी जो कि मतदान केंद्र व बूथ बनाये गए हैं उनमें मतदान की दृष्टि से सभी आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं अवश्य पूर्ण कर ली जाए।अन्ना गौवंश को पशु आश्रय स्थलों में संरक्षित किया जाए उन्हें किसी भी दशा में खुला ना छोड़ा जाए । पंचायत राज विभाग द्वारा ग्राम पंचायत के सामुदायिक शौचालयो को नियमित रूप से क्रियाशील रखा जाए तथा कार्मिकों के मानदेय का समय से भुगतान किया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवासों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाए। लाभार्थियों को समय से आवास की किस्त दी जाए। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र जोड़ों का चिन्हांकन कर जनवरी माह में एक बड़ा सामूहिक विवाह आयोजित किया जाए । जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाए तथा स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता का अवलोकन किया जाए। श्रम विभाग द्वारा अधिक से अधिक श्रमिकों का विभाग में पंजीयन किया जाए । प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा में जिलाधिकारी ने कहा कि आवेदनों का तत्परता से निस्तारण करें इसमे कोई पेंडेंसी न रहे।जिलाधिकारी ने कहा कि सभी प्रकार के पेंशन लाभार्थियों यथा विधवा, दिव्यांग, वृध्दावस्था के शत प्रतिशत आधार सीडिंग कराए जाय। प्रत्येक पात्र परिवार का आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाया जाए तथा इसके एक्टिवेशन का कार्य नियमित रूप से किया जाय ,कोई भी पात्र परिवार आयुष्मान कार्ड से वंचित न रहे । क्षतिग्रस्त सड़को को दुरुस्त कराया जाए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए जरूरी निर्देश दिए।इस मौके पर जननी सुरक्षा योजनाए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ,टीकाकरण ,102 एंबुलेंस सेवा तथा 108 एंबुलेंस सेवा के रिस्पांस टाइम की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने जरूरी दिशा निर्देश दिए ।उन्होंने कृषि सिंचाई योजना,कौशल विकास मिशन ,स्वरोजगार संबंधित योजनाओ,ओडीओपी प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम आदि की समीक्षा करते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ चंद्र शेखर शुक्ला ,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ गीतम सिंह, उपायुक्त एनआरएलएम, पीडी साधना दीक्षित , डिप्टी कलेक्टर खालिद अंजुम ,डिप्टी कलेक्टर राजकुमार गुप्ता, अन्य सम्बन्धित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों से लगी आग गृहस्थी हुई खाक

सैय्यद जामिन
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
हमीरपुर

हमीरपुर देर रात संदिग्ध परिस्थितियों से घर में लगी आग से मजदूर की गृहस्थी के सामान सहित जानवरों का भूसा और खाने पीने का सामान जलकर खाक हो गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम ने किसी तरह से आग पर काबू पाया।वहीं राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच आग से हुए नुकसान का आंकलन शुरू कर दिया है। मौदहा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अरतरा निवासी बरदानी लाल पुत्र भगवानदीन के घर में शनिवार देर रात अचानक आग लग गई लोग जबतक कुछ समझ पाते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।सूचना पर पहुंची पीआरबी पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने ग्रामीणों की मदद से जब तक आग पर काबू पाया तबतक सबकुछ जलकर खाक हो चुका था।सूचना पर पहुंची राजस्व विभाग की टीम ने आग से हुए नुकसान का आंकलन शुरू कर दिया है।पीड़ित बरदानी ने बताया कि वह दूध बेचकर परिवार चलाता है जिसके चलते भूसा, गेहूं, चना और सरसों घर में भरा हुआ था जो पूरी तरह से जल गया है और गृहस्थी का सामान सहित मकान भी जल गया है लगभग डेढ़ लाख रुपये का नुकसान हुआ है। जबकि अचानक इतनी तेज आग जल उठी जिससे लगता है कि किसी ने आग लगाई है।

50 लाख से अधिक की परियोजनाओं की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

बैठक में अनुपस्थित आईटीआई प्राचार्य सरीला का वेतन रोकने के निर्देश

सैय्यद जामिन
सिटीज़न वॉइस संवाददाता

हमीरपुर 50 लाख से अधिक की परियोजनाओं व निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में अनुपस्थित आईटीआई प्राचार्य सरीला का जिलाधिकारी ने वेतन रोकने के निर्देश दिए ।जिलाधिकारी ने कहा कि सभी निर्माण कार्यों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए, इसमें किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। नई सड़कों का निर्माण तथा पुरानी सड़कों का सुदृढ़ीकरण कार्य प्राथमिकता के साथ किया जाए । जिन परियोजनाओं में संपूर्ण धनराशि मिल गई है उनको शीघ्र पूर्ण किया जाए। सभी प्रकार की परियोजनाओं में धनराशि व्यय होने के बाद उसका उपभोग प्रमाण पत्र अवश्य दिया जाए । उन्होंने कहा कि विभिन्न परियोजनाओं में जो धनराशि अवमुक्त की जा रही है उसके सापेक्ष भौतिक प्रगति अवश्य प्राप्त होनी चाहिए । ऐसी परियोजनाएं जिनका निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है उन्हें नियमानुसार समय से हैंडओवर करने की कार्रवाई की जाए।इस मौके पर सीडीओ चंद्र शेखर शुक्ला,सीएमओ डॉ गीतम सिंह, विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि /अधिशासी अभियंता तथा अन्य संबंधित विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन के सदस्य चुने गये प्रो. मिर्जा शहाब शाह

वाणिज्य विभाग व उनके शोध छात्रों द्वारा आयोजित किया गया स्वागत सम्मान

अयोध्या,संवाददाता।

महाविद्यालय के लिए हर्ष एवं गर्व का विषय है कि महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष प्रो. मिर्जा शहाब शाह, इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन के उत्तरी क्षेत्र, जिसमें उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख प्रदेश आते हैं, से सर्वाधिक मत प्राप्त कर कार्यकारी सदस्य निर्वाचित हुए हैं। यह चुनाव दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन की 74वीं ऑल इंडिया कॉमर्स कॉन्फ्रेंस में विगत 14 दिसंबर को संपन्न हुआ था। सम्मान समारोह का संचालन वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ प्रो. ए के मिश्रा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन मुख्य नियंता प्रो. अनिल कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य नियंता प्रो. अनिल कुमार सिंह, छात्र कल्याण अधिकारी प्रो. बी डी द्विवेदी, प्रो. अशोक कुमार मिश्रा, डॉ. शिप्रा सिंह, डॉ. देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अवध विश्वविद्यालय के डॉ. राणा रोहित सिंह, डॉ. कपिल देव, डॉ. अनुराग एवं शोध छात्र सद्दाम खान, चांद बाबू, गंगा प्रसाद मौर्य, राम लखन सिंह,जावेद हाशमी, डॉ. विनय कुमार मौर्य, अलका कुशवाहा, अंकिता यादव एवं छात्र कनक सिंह, विकास कुमार आदि छात्र-छात्राओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की।

सम्पादकीय

बदला है भारतीय न्याय पालिका का नजरिया?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अनुच्छेद 370 का मकसद जम्मू-कश्मीर का शेष भारत के साथ एकीकरण था। तब यह प्रश्न उठेगा कि अगर अनुच्छेद 370 का यह उद्देश्य था, तो फिर अनुच्छेद 371 का क्या मकसद है? इस अनुच्छेद की उपराधाराओं ए लेकर जे तक के जरिए महाराष्ट्र एवं गुजरात, नगालैंड, असम, मणिपुर, आंध्र प्रदेश, सिक्किम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और गोवा को कई प्रकार के विशेष अधिकार और संरक्षण मिले हुए हैं। आम समझ में अनुच्छेद 370 को इसी क्रम में देखा जाता रहा है। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने इसकी अलग व्याख्या सामने रखी है।

अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बारे में सुप्रीम कोर्ट का फैसला कई रूपों में असहज करने वाला है। उनमें पहला मुद्दा अनुच्छेद 370 के बारे में कोर्ट की कुछ टिप्पणियां हैं। मसलन, प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने कहा, अनुच्छेद 370 का मकसद जम्मू-कश्मीर का क्रमिक रूप से शेष भारत के साथ एकीकरण था। यह अनुच्छेद सिर्फ एक अस्थायी प्रावधान था (यानी इसे खत्म होना ही था)। राष्ट्रपति को अनुच्छेद 370 (3) के तहत वह प्राप्त अधिकार था, जिसका इस्तेमाल करते हुए वे अनुच्छेद 370 का अस्तित्व खत्म करने की अधिसूचना जारी सकते थे।

जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा के भंग हो जाने के बावजूद अनुच्छेद 370 को निरस्त कर सकने की राष्ट्रपति की शक्ति बनी रही।

ये टिप्पणियां इसलिए असहज करने वाली हैं, क्योंकि ऐतिहासिक संदर्भ की आम समझ यही है कि जम्मू-कश्मीर कुछ खास शर्तों के साथ भारत में शामिल हुआ था। इन शर्तों के तहत उसने अपने कुछ अधिकार केंद्र को सौंपे, जबकि आंतरिक स्वायत्तता संबंधी ज्यादातर अधिकार उसने अपने पास रखे। अनुच्छेद 370 के तहत भारतीय संविधान में इस व्यवस्था को स्वीकार किया गया था। इसके तहत भारतीय राज्य ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को उनकी स्वायत्तता की रक्षा का वचन दिया था। इस वचन की रक्षा भारतीय राज्य-व्यवस्था का ऐतिहासिक दायित्व था।

आम समझ है कि संविधान में इस अनुच्छेद को शामिल करते समय इसे अस्थायी प्रावधान सिर्फ इस अर्थ में कहा गया था कि जब तक जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा अपना संविधान नहीं बना लेती, वहां का प्रशासन और भारतीय संघ से उसका रिश्ता अनुच्छेद 370 के आधार पर निर्धारित होगा। लेकिन अब कोर्ट ने इसे इस रूप में अस्थायी बताया है कि इसका मकसद जम्मू-कश्मीर का एकीकरण था। स्पष्टतः कोर्ट ने इस पहलू को बिल्कुल अलग नजरिए से देखा है।

जब कोर्ट ने बिल्कुल अलग दृष्टिकोण अपना लिया, तो उसका इस निष्कर्ष पर पहुंचना लाजिमी था कि जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा की बिना सहमति के भी अनुच्छेद 370 को निरस्त किया जा सकता था।

मगर यहां विडंबना यह है कि इसके लिए अपनाए गए माध्यम को खुद कोर्ट ने समस्याग्रस्त माना है। अनुच्छेद 370 को संशोधित करने के लिए अनुच्छेद 367 में सुधार किया गया। इसके लिए संवैधानिक आदेश 272 जारी किया गया। कोर्ट ने इस आदेश को असंवैधानिक बताया है। मतलब सुप्रीम कोर्ट की यह राय है कि किसी दूसरे अनुच्छेद को संशोधित करने के लिए किसी अन्य अनुच्छेद में बदलाव संविधान के अनुरूप नहीं है। यानी सरकार को जिस अनुच्छेद में संशोधन करना हो, उसे प्रत्यक्ष रूप से उसके लिए ही कदम उठाने चाहिए, ऐसा बैकडोर से नहीं करना चाहिए।

मुद्दा यह है कि अगर वह आदेश असंवैधानिक था, तो उसके परिणामस्वरूप उठाया गया कदम संवैधानिक कैसे हो सकता है?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अनुच्छेद 370 का मकसद जम्मू-कश्मीर का शेष भारत के साथ एकीकरण था। तब यह प्रश्न उठेगा कि अगर अनुच्छेद 370 का यह उद्देश्य था, तो फिर अनुच्छेद 371 का क्या मकसद है? इस अनुच्छेद की उपराधाराओं ए लेकर जे तक के जरिए महाराष्ट्र एवं गुजरात, नगालैंड, असम, मणिपुर, आंध्र प्रदेश, सिक्किम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और गोवा को कई प्रकार के विशेष अधिकार और संरक्षण मिले हुए हैं। आम समझ में अनुच्छेद 370 को इसी क्रम में देखा जाता रहा है। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने इसकी अलग व्याख्या सामने रखी है।

बेशक, अनुच्छेद 370 के रहते हुए भी इसके जरिए जम्मू-कश्मीर के अनेक संरक्षित अधिकार क्रमिक रूप से केंद्र ने हासिल कर लिए थे। बल्कि अधिकांश विशेषज्ञों का मानना है कि गुजरे दशकों में आगे बढ़ी इस प्रक्रिया के कारण अनुच्छेद 370 के मूल स्वरूप में काफी हद तक क्षरण हो चुका था। इस हकीकत के बावजूद सच यह है कि जम्मू-कश्मीर की खास राजनीतिक पहचान और वहां के बाशिंदों के मनोवैज्ञानिक संरक्षण के तौर पर इस अनुच्छेद की उपयोगिता बनी हुई थी।

वैसे अगर भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक नजरिए से देखें, तो (इस पार्टी के पूर्व संस्करण भारतीय जन संघ की स्थापना के समय से ही) यह अनुच्छेद हमेशा ही एक राजनीतिक मसला था, जिसे भारतीय राज्य अपनी शक्ति के इस्तेमाल से हल कर सकता था। भाजपा नेता हमेशा यह कहते थे कि कांग्रेस नेतृत्व की कमजोरी या उसकी वोट बैंक की सियासत के कारण यह अनुच्छेद संविधान का हिस्सा बना रहा। उनका हमेशा से वादा था कि जब कभी वे सत्ता में आएंगे, वे इस अनुच्छेद को खत्म कर देंगे। इसलिए भाजपा सरकार ने यह कदम उठाया, तो यह उनकी घोषणाओं के अनुरूप ही था। भाजपा और उसके मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विमर्श पर गौर करें, तो यह साफ हो जाता है कि इस अनुच्छेद से उनके विरोध का एक प्रमुख कारण जम्मू-कश्मीर का मुस्लिम बहुल राज्य होना रहा है। दूसरी बात यह रही है कि आरएसएस की विचारधारा भारत के संघीय स्वरूप के साथ सहज कभी नहीं रही। भारत को एकात्मक व्यवस्था का रूप देना उसकी सोच का अभिन्न अंग रहा है। इसलिए अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के साथ वर्तमान भाजपा सरकार ने जम्मू-कश्मीर का दर्जा गिरा कर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया और इस प्रदेश को एकतरफा ढंग से दो भागों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में बांट दिया, तो इसमें उसे कोई वैचारिक या नैतिक अवरोध नजर नहीं आया।

रिश्ते बिगाड़ने की मंशा

अमेरिकी आयोग ने भारत को विशेष चिंता वाले देश के रूप में नामित कर उस पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है। यह सिफारिश उसके अपने मानकों के हिसाब से चौंकाने वाली है। भारत विरोधी तत्वों की ओर से इस मामले को उछाला जा रहा है और यह मामला भारत-अमेरिका रिश्तों के लिए खतरा बन सकता है। दोनों देशों को सावधानी और संवेदनशीलता दिखाने की जरूरत है।

अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग की यह सिफारिश उसके इरादों पर गंभीर सवाल खड़े करती है कि भारत को विशेष चिंता वाले देश के रूप में नामित कर उस पर प्रतिबंध लगाए जाएं। हालांकि स्ष्टढ्ढक्रस्न ऐसी बातें पहले भी कर चुका है, लेकिन उसकी ताजा सिफारिश उसके अपने मानकों के हिसाब से भी चौंकाने वाली है।

अधपकी सूचनाओं पर आधारित

USCIRF ने इस बार अपनी सिफारिश का आधार उन आरोपों को बनाया है, जिनकी सचाई की कहीं से भी पुष्टि नहीं हुई है। निज्जर हत्याकांड और पन्नू की हत्या की कथित साजिश से जुड़े आरोप भारत विरोधी तत्वों की ओर से बार-बार उछाले जा रहे हैं, लेकिन इसमें पुरानी बातों का दोहराव भर है। इन्हीं बातों को आधार बनाते हुए USCIRF ने अपनी पुरानी सिफारिश एक बार फिर आगे कर दी।

निष्कर्ष में जल्दबाजी

अमेरिकी आयोग की यह जल्दबाजी इसलिए भी समझ में नहीं आती कि इन मामलों की तीन देशों – कनाडा, अमेरिका और भारत- में जांच अलग-अलग स्तरों पर है, पर कहीं भी यह तार्किक परिणति तक नहीं पहुंची है।

आयोग का रेकॉर्ड

इस अमेरिकी आयोग का यह रुख कोई नई बात नहीं है। यह अपनी पिछली तीन सालाना रिपोर्टों में भारत के खिलाफ ऐसी ही सिफारिश कर चुका है। भारत सरकार तो उसकी इन रिपोर्टों को खारिज करती ही रही है, अमेरिकी सरकार ने भी इसे तवज्जो देना जरूरी नहीं समझा। मगर इस बार दिखाई गई हड़बड़ी इन आरोपों को और मजबूत बना देती है कि इसकी रिपोर्टों के पीछे भारत विरोधी पूर्वाग्रह की बड़ी भूमिका है।

सांसदों का बयान

भारतीय मूल के पांच अमेरिकी सांसदों के बयान को भी इसी संदर्भ में देखना होगा। हालांकि डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े इन सांसदों का बयान बाइडन प्रशासन की ब्रीफिंग पर आधारित है, फिर भी उनका यह कहना महत्वपूर्ण है कि यह मामला भारत-अमेरिका रिश्तों के लिए खतरा बन सकता है।

सावधानी की जरूरत

जिस तरह से भारत विरोधी तत्व इस मामले को उठा रहे हैं, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि मामले की सचाई चाहे जो भी हो, इसकी आड़ में दोनों देशों के रिश्ते को बिगाड़ने की मंशा भी काम कर रही है। ऐसे में यह और जरूरी हो जाता है कि मामले को इस तरह से निपटाया जाए जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। यानी मामला हल भी हो जाए और रिश्ता बिगाड़ने के मंसूबे पालने वालों को सही संदेश भी चला जाए। जाहिर है, दोनों देशों को ज्यादा सावधानी और संवेदनशीलता दिखाने की जरूरत है।

ममता की चुनौती सबसे बड़ी है

भाजपा ने पहले से ज्यादा आक्रामक तरीके से हिंदू-मुस्लिम का नैरेटिव बनाया है। तृणमूल कांग्रेस को मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाला बताया है। ऊपर से परिवारवाद और भ्रष्टाचार का बहुत स्ट्रॉन्ग नैरेटिव बना है। उनके कई नेता जेल में हैं और भतीजे अभिषेक बनर्जी पर तलवार लटकी है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी की मुश्किलें बाकी क्षत्रपों से अलग हैं। हिंदी पट्टी के राज्यों में भाजपा हमेशा एक बड़ी ताकत रही है लेकिन पश्चिम बंगाल में भाजपा का उभार नया नया है। वह 2016 के विधानसभा चुनाव तक बिल्कुल हाशिए की पार्टी थी। सिर्फ दो-चार सीट जीतने वाली पार्टी। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 18 सीटें जीतीं और फिर 2021 के विधानसभा चुनाव में वह 77 सीटों पर जीत गई। कांग्रेस और लेफ्ट दोनों साफ हो गए। हालांकि 2021 के विधानसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों के बहुत जोर लगाने के बावजूद भाजपा 77 सीट ही जीत पाई इसलिए ममता बनर्जी को लग रहा है कि आमने-सामने के मुकाबले में वे भाजपा का रथ रोक देंगी। लेकिन हकीकत यह है कि भाजपा के साथ मोमेंटम है। उसने पश्चिम बंगाल में अभी जीतना शुरू किया है और उसका वोट आधार मजबूत हुआ है।

पश्चिम बंगाल में 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को करीब 41 फीसदी से कुछ ज्यादा वोट मिले थे और 18 सीटें मिली थीं। 2021 के विधानसभा चुनाव में जब ममता ने अस्मिता का दांव खूब खुल कर खेला और मोदी, शाह को बाहरी बता कर चुनाव लड़ा तब भी भाजपा को 38 फीसदी वोट मिले। यानी लोकसभा से सिर्फ दो फीसदी कम हुआ। इस तरह उसका वोट उसके साथ बना रहा। अगर बंगाल की जनसंख्या संरचना देखें तो वहां 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है। हिंदू आबादी 70 फीसदी है। जाहिर है मुस्लिम वोट भाजपा को नहीं मिलता है। सो, भाजपा को लोकसभा में करीब 41 फीसदी वोट मिलने का मतलब है कि 60 फीसदी हिंदुओं ने उसको वोट दिया। विधानसभा चुनाव में भी 55 फीसदी के करीब हिंदू वोट भाजपा को मिला। यह सामान्य से अधिक हिंदू ध्रुवीकरण का संकेत है। पूरे देश में भाजपा को औसतन 40 से 45 फीसदी हिंदू वोट मिलते हैं। लेकिन बंगाल में यह 55 से 60 फीसदी है। इसका मतलब है कि राज्य की 30 फीसदी मुस्लिम आबादी की प्रतिक्रिया में हिंदू ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में हो रहा है। अगले चुनाव में इस स्तर का या इससे ज्यादा हिंदू ध्रुवीकरण नहीं होगा, यह मानने की कोई तार्किक वजह नहीं दिखती है।

भाजपा ने पहले से ज्यादा आक्रामक तरीके से हिंदू-मुस्लिम का नैरेटिव बनाया है। तृणमूल कांग्रेस को मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाला बताया है। ऊपर से परिवारवाद और भ्रष्टाचार का बहुत स्ट्रॉन्ग नैरेटिव बना है। उनके कई नेता जेल में हैं और भतीजे अभिषेक बनर्जी पर तलवार लटकी है। ममता के खिलाफ राज्य में करीब 13 साल के शासन की एंटी इन्कम्बैंसी है। यह भी एक तथ्य है कि जहां भाजपा ने आज तक सरकार नहीं बनाई है वहां उसके प्रति लोगों की जिज्ञासा ज्यादा रहती है। सो, बंगाल के लोगों में भाजपा को आजमाने की सोच भी हो सकती है। ऐसे में ममता का अकेले राजनीति करना और कांग्रेस व लेफ्ट के प्रति अछूत का बरताव करना हैरान करने वाला है। उन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में जो अस्मिता का मुद्दा बनाया था वह लोकसभा चुनाव में कारगर नहीं होगा। हां, अगर विपक्षी गठबंधन ममता बनर्जी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बना दे तो अलग बात है। तब वे देश के पहले बांग्ला प्रधानमंत्री का नैरेटिव बना कर बांग्ला अस्मिता का मुद्दा उभार सकती हैं। लेकिन अभी वह भी होता नहीं दिख रहा है।

इसलिए उनकी पहली कोशिश विपक्षी गठबंधन के साथ तालमेल की होनी चाहिए। वह तालमेल राज्य की 42 सीटों पर आपस में सीट बंटवारे का होगा या रणनीतिक होगा यह जमीनी हालात के हिसाब से तय करना होगा। ध्यान रहे पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और लेफ्ट मोर्चा अलग अलग चुनाव लड़ा था। सिर्फ एक सीट पर कांग्रेस ने सीपीएम के उम्मीदवार को समर्थन दिया था। कांग्रेस को दो सीट मिली थी और लेफ्ट मोर्चा एक भी सीट नहीं जीत पाया था।

अब यूपी में सक्रिय होंगे नीतीश

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के नेता उत्तर प्रदेश को लेकर अक्सर कोई न कोई योजना बनाते रहते हैं। कई बार जदयू ने यूपी में विस्तार करने की योजना बनाई। पार्टी के प्रधान महासचिव केसी त्यागी इसकी कोशिश में रहे तो जब आरसीपी सिंह पार्टी के अध्यक्ष थे तब उन्होंने भी प्रयास किया था। लेकिन कभी कामयाबी नहीं मिली। जब से बिहार में जाति गणना हुई है और नीतीश कुमार को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोजेक्ट करने के प्रयास शुरू हुए हैं तब से चर्चा है कि नीतीश उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ सकते हैं। कुछ समय पहले फूलपुर के कुछ लोग पटना जाकर नीतीश और पार्टी के अन्य नेताओं से मिले थे और उनसे फूलपुर सीट पर चुनाव लडने् का आग्रह किया था। लव-कुश यानी कोईरी-कुर्मी समीकरण वाले इस सीट पर कांग्रेस नेता प्रियंक गांधी वाड्रा के भी चुनाव लडने् की चर्चा चलती रहती है क्योंकि पारंपरिक रूप से यह सीट कांग्रेस की रही है और पंडित जवाहरलाल नेहरू इस सीट से चुनाव लड़ते थे।

बहरहाल, फूलपुर के अलावा नीतीश कुमार को लेकर यह भी चर्चा रही है कि वे वाराणसी सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लड़ सकते हैं। प्रधानमंत्री बनने की आकांक्षा रखने वाले अरविंद केजरीवाल 2014 में वाराणसी लड़े थे लेकिन उसके बाद फिर वहां नहीं गए। प्रियंका गांधी वाड्रा के भी वाराणसी लडने् की खबरें आती रहती हैं और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने यह संकेत भी दिया था कि इस बारे में चर्चा हुई है।

बहरहाल, अब खबर है कि नीतीश कुमार 24 दिसंबर को वाराणसी लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाली रोहनिया सीट पर एक जनसभा करेंगे। यह कुर्मी बहुल इलाका है। वहां से नीतीश कुमार कोई मैसेज दे सकते हैं। वे वाराणसी या फूलपुर से चुनाव लड़ेंगे या नहीं यह तय नहीं है लेकिन यह तय है कि वे पूर्वी उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी के विस्तार को लेकर गंभीर है। अभी तक मोटे तौर पर कोईरी-कुर्मी का रूझान उत्तर प्रदेश में भाजपा की ओर है। अगर नीतीश सक्रिय होते हैं तो विपक्षी गठबंधन को इसका कुछ फायदा हो सकता है।

अच्छे इरादों का इजहार

जीवाश्म ऊर्जा का इस्तेमाल क्रमिक रूप से रोकने की कोई समयबद्ध योजना तय नहीं की गई है। इस प्रक्रिया के लिए धन और तकनीक उपलब्ध कराने के इरादे जरूर जताए गए हैं, लेकिन इस दिशा में कौन कितनी जिम्मेदारी निभाएगा, यह तय नहीं हुआ है।

संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित कॉप-28 में सभी देश जीवाश्म ऊर्जा का इस्तेमाल क्रमिक रूप से घटाने पर सहमत हुए। उनमें अक्षय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। मीडिया रिपोर्टों में इस समझौते को ऐतिहासिक बताया गया है। लेकिन खुद उन्हीं खबरों में यह बताया गया है कि जीवाश्म ऊर्जा का इस्तेमाल रोकने और अक्षय ऊर्जा को पूरी तरह अपना लेने की कोई समयसीमा या समयबद्ध योजना तय नहीं की गई है। इस प्रक्रिया के लिए धन और तकनीक उपलब्ध कराने के इरादे जरूर जताए गए हैं, लेकिन इस दिशा में कौन कितनी जिम्मेदारी निभाएगा, यह तय नहीं हुआ है। कॉप-28 में जुटे नुमाइंदों ने तापमान वृद्धि को सीमित करने संबंधी पेरिस जलवायु संधि में तय लक्ष्य के प्रति अपने को फिर से वचनबद्ध किया, इसे एक बड़ी सफलता माना गया है। 2015 में हुई पेरिस संधि में तय किया गया था कि तमाम देश ऐसे कदम उठाएंगे ताकि धरती का तापमान (औद्योगिक युग शुरू होने के समय जो औसत तापमान था, उसकी तुलना में) 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं बढ़ पाए।

उसके बाद से हर साल होने वाले कॉप (संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता में शामिल पक्षों के) सम्मेलन में इस लक्ष्य को दोहराया गया है। लेकिन बुनियादी सवाल यह है कि आखिर इस दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है? दरअसल, उचित तो यह होगा कि 1992 में शुरू हुई जलवायु वार्ता के बाद से अब तक की प्रगति का जायजा लिया जाए। खुद संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों में बार-बार बताया गया है कि यह प्रगति बेहद असंतोषजनक है। प्रगति की यही रफ्तार रही तो साल 2100 से बहुत पहले ही धरती का तापमान खतरनाक सीमा तक बढ़ जाएगा। समस्या यह रही है कि विकसित देश अपनी जीवन-शैली और आर्थिक हितों पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं हुए हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद बने हालात में तो यूरोप में भी ऊर्जा नीतियां नकारात्मक दिशा में चली गई हैं, जो जलवायु के सवाल पर सबसे अधिक संवेदनशील था। ऐसे में यूएई में हुआ करार अच्छे इरादों के इजहार से अधिक कुछ हो पाएगा, क्या ऐसी उम्मीद रखी जा सकती है?

जीवाश्म ऊर्जा का इस्तेमाल क्रमिक रूप से रोकने की कोई समयबद्ध योजना तय नहीं की गई है। इस प्रक्रिया के लिए धन और तकनीक उपलब्ध कराने के इरादे जरूर जताए गए हैं, लेकिन इस दिशा में कौन कितनी जिम्मेदारी निभाएगा, यह तय नहीं हुआ है। कॉप-28 में जुटे नुमाइंदों ने तापमान वृद्धि को सीमित करने संबंधी पेरिस जलवायु संधि में तय लक्ष्य के प्रति अपने को फिर से वचनबद्ध किया, इसे एक बड़ी सफलता माना गया है। 2015 में हुई पेरिस संधि में तय किया गया था कि तमाम देश ऐसे कदम उठाएंगे ताकि धरती का तापमान (औद्योगिक युग शुरू होने के समय जो औसत तापमान था, उसकी तुलना में) 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं बढ़ पाए।

संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित कॉप-28 में इस क्रमिक रूप से घटाने पर सहमत हुए। उनमें अक्षय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। मीडिया रिपोर्टों में इस समझौते को ऐतिहासिक बताया गया है। लेकिन खुद उन्हीं खबरों में यह बताया गया है कि जीवाश्म ऊर्जा का इस्तेमाल रोकने और अक्षय ऊर्जा को पूरी तरह अपना लेने की कोई समयसीमा या समयबद्ध योजना तय नहीं की गई है। इस प्रक्रिया के लिए धन और तकनीक उपलब्ध कराने के इरादे जरूर जताए गए हैं, लेकिन इस दिशा में कौन कितनी जिम्मेदारी निभाएगा, यह तय नहीं हुआ है। कॉप-28 में जुटे नुमाइंदों ने तापमान वृद्धि को सीमित करने संबंधी पेरिस जलवायु संधि में तय लक्ष्य के प्रति अपने को फिर से वचनबद्ध किया, इसे एक बड़ी सफलता माना गया है। 2015 में हुई पेरिस संधि में तय किया गया था कि तमाम देश ऐसे कदम उठाएंगे ताकि धरती का तापमान (औद्योगिक युग शुरू होने के समय जो औसत तापमान था, उसकी तुलना में) 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं बढ़ पाए।

रामपुर की उपासना और सुधीर ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, जीती चैंपियनशिप ट्रॉफी

सुशील यादव
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
उन्नाव

उन्नाव। विकासखण्ड औरास में आज खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। बीईओ मनींद्र कुमार, खेल शिक्षक राईसुल इस्लाम गौहर, उमेश कनौजिया, प्रदीप वर्मा,कौशल चौरसिया, धर्मेंद्र पटेल, अजय गंगवार, कुलदीप यादव व अन्य सहयोगी शिक्षकों के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। खेल कूद की विभिन्न प्रतियोगिताओं में विभिन्न वर्गों की दौड़, गोलाफेंक, चक्काफेंक ,लंबी कूद एवं वालीबॉल के खेल कराए गए। बालको की दौड़ में 100 मीटर में हसनपुर के दीपेश, रामपुर गढ़ोवा के सुभाष व बड़ादेव के आदर्श ने क्रमशः प्रथम, द्वतीय व तृतीय स्थान प्राप्त किये। 200 मीटर में रामपुर गढ़ोवा के सुधीर और रामपुर के ही अरमान व सिधूर के आकाश प्रथम, द्वतीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर बालक में हसनपुर के शिवा, रामपुर गढ़ोवा के सुभाष व म्हरौनदा के विकास ने बाजी मारी। जूनियर बालिकाओं की 100 मीटर दौड़ में रामपुर गढ़ोवा के खुशी और उपासना ने प्रथम व द्वतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर बालिकाओं में भी रामपुर गढ़ोवा की खुशी व उपासना ने ही प्रथम व द्वतीय स्थान पाकर मेडल अपने नाम किया। 400 मीटर की दौड़ में भी रामपुर गढ़ोवा की उपासना और नीतू ने लंबे अंतराल से जीतकर प्रथम व द्वतीय स्थान प्राप्त किया। गोलाफेंक प्रतियोगिता में रामपुर गढ़ोवा के सुधीर ने 28 फीट गोला फेंककर प्रथम व रामपुर के ही पवन ने द्वतीय स्थान व हसनपुर के शिवा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बॉलीबाल के मैच में संयुक्त रूप से हसनपुर व रामपुर गढ़ोवा की टीम ने बाजी मारी। प्राथमिक वर्ग में 50 मीटर में दाऊद, सत्यम व संजय, 100 मीटर में दाऊद, सचिन व विवेक क्रमशः प्रथम, द्वतीय व तृतीय रहे। प्राथमिक की लम्बीकूद में रामपुर गढ़ोवा न्यायपंचायत के दृगपाल खेड़ा व हसनपुर से सुनैना, वर्षा व जाह्नवी ने अपनी जगह पक्की की।100 मीटर बालिका में हसनपुर की वर्षा, दृगपाल खेड़ा की जाह्नवी व मुंशीखेड़ा की दीप्ति ने अपनी जगह पक्की की।

सभी खेलों में उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ोवा के बाजी मारने और ओवरऑल चैंपियनशिप ट्राफी अपने नाम करने पर उपस्थित सैकड़ो शिक्षकों, खंडशिक्षा अधिकारी मनींद्र कुमार ने बच्चों व कोच शिक्षक प्रदीप वर्मा को ढ़ेरो बधाई व शुभकामनाएं प्रदान की। पुरस्कार वितरण में बच्चों के अंदर जोरदार उत्साह रहा। निर्णायक मंडल में गौहर, कुलदीप, सुनील, राजकरन, सौरभ,गिरीश, प्रीति वंदना व स्वाति द्वेवेदी रहीं।साथी शिक्षकों में संगठन के पदाधिकारियों के साथ ही, समस्त एनपीआरसी, एआरपी शिक्षक, शिक्षिकाएं बहने, सौरभ, राजबहादुर, अशोक यादव, नंदकिशोर, सौरभ सिंह आदि उपस्थित रहे। प्रदीप वर्मा ने इसे बच्चों की सबसे शानदार जीत बताया और जिले के खेलों में अपनी जगह पक्की करने के लिए आश्वस्त किया।

डीएम ने टीबी मरीजों को पोषण पोटली प्रदान की

टीबी को हराने के लिए जन सहभागिता एवं जागरूकता जरूरी: जिलाधिकारी

रामाश्रय
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
देवरिया

देवरिया। जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में स्वयं द्वारा गोद लिये गए 10 टीबी मरीजों को पोषण पोटली प्रदान की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि टीबी लाइलाज बीमारी नहीं है। बल्कि नियमित रूप से पोषण युक्त भोजन और दवा की कोर्स पूरी करने से इसे हराया जा सकता है। मरीज ठीक होने पश्चात सामान्य जीवन व्यतीत करता है, जिसका समग्र लाभ संपूर्ण समाज को मिलता है।

जिलाधिकारी ने समाज के अन्य लोगों को भी टीबी रोगियों को गोद लेने के लिए प्रेरित किया। देश में टीवी उन्मूलन का लक्ष्य 2025 रखा गया है। जन सहभागिता एवं जागरूकता से ही टीबी को हराया जा सकता है। इसके लिए समाज के हर तबके के लोगों को आगे आना होगा। आज जिन लोगों को जिलाधिकारी ने पोषण पोटली देकर गोद लिया, उन लोगों को समय से दवा खाने की भी नसीहत दी व कहा कि जो मरीज दवा का कोर्स पूरा करते हैं , वे ठीक हो जाते हैं।

इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश कुमार झा, जिला अधिकारी डॉक्टर सुरेंद्र कुमार चौधरी, पी एम डी टी समन्वयक चंद्र प्रकाश त्रिपाठी, एस टी एस मांधाता सिंह, सूरज आदि कर्मचारी इस दौरान उपस्थित रहे।

31 दिसम्बर 2023 तक फसल बीमा करा सकेंगे किसान

देवरिया। जिला कृषि अधिकारी मृत्युंजय कुमार सिंह ने बताया है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के क्रियान्वयन के लिये अधिसूचना रबी 2023 जारी कर दी गयी है। फसल बीमा कराने की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर 2023 निर्धारित की गयी है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सभी किसानो के लिये स्वैच्छिक कर दी गयी है। जनपद देवरिया में प्रधानमंत्री फसल बीमा हेतु एग्रीकल्चर इन्शोरेन्स कम्पनी ऑफ इण्डिया नामित है तथा अधिसूचित फसल गेहूँ हेतु कृषको द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का 1.50 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सभी किसानो के लिये स्वैच्छिक कर दी गयी है।

जिला सैनिक बन्धु की बैठक 28 दिसंबर को

देवरिया। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने बताया है कि कार्यालय जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, देवरिया में पूर्व सैनिकों/उनके आश्रितों के समस्याओं के निराकरण हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 28 दिसम्बर को सायं 4 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बन्धु की बैठक आयोजित की गयी है। इस बैठक में सैनिक बन्धु के समस्त सरकारी/गैर सरकारी सदस्यगण प्रतिभाग लेगें। पूर्व सैनिकों/उनके आश्रितों वह अपनी समस्याओं को 20 दिसम्बर 2023 से 23 दिसम्बर 2023 तक कार्यालय में लिखित रूप मे दो प्रतियो मे उपलब्ध करा सकते हैं जिससे उनकी समस्याओ का निराकरण किया जा सके।

जनपद में दो माह के लिए धारा 144 लागू

देवरिया। अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) गौरव श्रीवास्तव ने वर्तमान समय में क्रिसमस डे, नव वर्ष, गुरु गोविन्द सिंह जयंती, मो0 हजरत अली का जन्मदिवस के त्योहारों के दृष्टिगत दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए पूर्व पारित आदेश 16 अक्टूबर को विखण्डित कर दो माह 15 फरवरी 2024 तक के लिए धारा-144 के अर्न्तगत निर्धारित आदेश जारी किया है, जो पूरे जनपद में प्रभावी रहेगा। निर्धारित आदेश के विवरण में उन्होंने बताया है कि जिन स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्र यथा लाउडस्पीकर आदि का प्रयोग किया जाना हो, उसकी आवाज धीमी एवं निर्धारित डेसिबल मानक के अनुसार रखी जायेगी, ताकि इससे अन्य किसी को कोई परेशानी न हो। जनपद में किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी धार्मिक स्थल को न तो क्षति पहुंचायेगा और न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेगा। जनपद में किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी धर्म विशेष की भावनाओं को उद्वेलित करने अथवा साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने का कार्य नहीं करेगा। जनपद में कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार के धार्मिक उन्माद पैदा करने वाला कैसेट न तो बजायेगा और न ही ध्वनि विस्तारक यंत्र से प्रसारित करेगा। जनपद में कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार के धार्मिक उन्माद पैदा करने वाले पोस्टर न चिपकायेगा, न किसी दीवार पर कोई धार्मिक उन्माद पैदा करने वाली बातें लिखेगा और न ही किसी अन्य को ऐसा करने के लिए प्रेरित करेगा। जनपद में कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र लेकर नहीं चलेगा और न ही किसी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ अपने पास रखेगा। विशेष परिस्थितियों में जिला मजिस्ट्रेट, उप जिला मजिस्ट्रेट से अनुमति लेने के बाद ही कोई व्यक्ति लाइसेन्सी अस्त्र-शस्त्र लेकर चल सकेगा। यह प्रतिबन्ध सिख समुदाय के व्यक्तियों को कृपाण धारण करने, वृद्ध, दिव्यांग, बीमार अथवा अंधे व्यक्तियों के लाठी का प्रयोग करने पर लागू नहीं होगा। परीक्षा केन्द्र पर तैनात सुरक्षा कर्मियों के अतिरिक्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार के शस्त्रादि लेकर परीक्षा स्थल पर जाने की अनुमति न दी जाएगी तथा इसका उल्लंघन करने वाले व्यक्ति को भा0द0वि0 की धारा 188 के अंतर्गत दण्डित करने की कार्यवाही की जाएगी। जनपद में कोई भी व्यक्ति स्वयं अथवा किसी अन्य के घर की छत पर ईट-पत्थर आदि एकत्र नहीं करेगा 7 जनपद में कोई भी व्यक्ति न तो किसी प्रकार की अफवाह सोशल मीडिया के माध्यम से या अन्य किसी भी माध्यम से न तो प्रसारित करेगा और न ही किसी अन्य को ऐसा करने के लिए प्रेरित करेगा। जनपद में कोई भी व्यक्ति धार्मिक उन्माद पैदा करने वाले किसी प्रकार का एस0एम0एस0 / एम0एम0एस0 / वॉट्सएप्प मैसेज / ट्वीट न तो प्रसारित करेगा, न ही किसी अन्य को ऐसा करने के लिए प्रेरित करेगा।

रामपुर सुदौली ग्राम सभा में विकसित भारत यात्रा का किया गया आयोजन

सिटीज़न वॉयस, संवाददाता

बछरावां रायबरेली। बछरावां विकासखंड की रामपुर सुदौली ग्राम सभा में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला पंचायत सदस्य एवं जिले के अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय सुदौली, प्राथमिक विद्यालय सुदौली एवं कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय सुदौली के प्रधानाध्यापक व समस्त शिक्षक व बच्चों ने उपस्थित होकर भव्य कार्यक्रम संपन्न कराया।

वहीं इस कार्यक्रम में उच्च प्राथमिक विद्यालय सुदौली के होनहार बच्चों ने स्वागत गीत, सरस्वती वंदना एवं अन्य देशभक्ति कार्यक्रम तथा एकांकी प्रस्तुत किये एवं क्विज प्रतियोगिता में पूछे गए प्रश्नों के उच्च प्राथमिक विद्यालय सुदौली के छात्र एवं छात्राओं ने सही-सही उत्तर दिए। सभी ने बच्चों की प्रशंसा कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

बछरावां पुलिस ने छिनैती करने वाले अभि-युक्तो को किया गिरफ्तार,भेजा जेल

सिटीज़न वॉयस, संवाददाता

बछरावां रायबरेली। बछरावां से सामान खरीद कर वापस अपने घर जा रही एक युवती व उसके मंगेतर को मारपीट के बाद मोबाइल ,सोने की अंगूठी तथा नगदी चुरा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। क्षेत्र के उजेहरा गांव की रहने वाली पूनम पुत्री सुभाष चंद्र ने थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपने मंगेतर जितेंद्र यादव पुत्र चतुरी के साथ बछरावां में खरीदारी करने के बाद वापस अपने घर जा रही थी रात करीब 8ः00 बजे वह दोनों जैसे ही उजेहरा मोड पर पहुंचे वहां पर पहले से खड़े मदनटूसी गांव के रहने वाले राजेश तथा तीन अन्य लोगों ने उन्हें रोक लिया और बातों में उलझाए रखा इस दौरान उन लोगों ने जितेंद्र की पर्स तथा उसमें रखे एटीएम पैन कार्ड अंगूठी एक मोबाइल तथा 8000 रूपए नगदी चुरा लिया।

पूनम का आरोप है जब उन्होंने उक्त लोगों से यह सामान मांगा तो उन्होंने उनके मंगेतर जितेंद्र की पिटाई कर दी और यह भी धमकी दी कि कहीं पर बताया तो ठीक नहीं होगा।

पूनम की शिकायत पर पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज की है।

इस बारे में थानाध्यक्ष बृजेश कुमार राय ने बताया कि मामले मामले में आरोपी सुजीत सिंह पुत्र रामकरन सिंह निवासी ग्राम पूरे खलार मजरे पश्चिमगाँव थाना बछरावाँ जनपद रायबरेली उम्र 27 वर्ष ,उमेश उर्फ गोलू पुत्र राजेश कुमार उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम पूरे खलार मजरे पश्चिमगांव थाना बछरावाँ जनपद रायबरेली

,जितेन्द्र पुत्र स्व0 पच्चूलाल पासी उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम पूरे खलार मजरे पश्चिमगांव थाना बछरावाँ जनपद रायबरेली

राजेश कुमार पुत्र स्व0 बुधई पासी उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम पासीटूसी मजरे मदनटूसी थाना बछरावाँ जनपद रायबरेली

को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है उन्होंने बताया कि इन लोगों के पास से 1500/- रुपये व एक अदद पैन कार्ड नं0 AYTPZ9807F नाम जितेन्द्र यादव बरामदा अभियुक्त सुजीत सिंह

1500/- रुपये व एक अदद आधार कार्ड नं0 2333 8546 1115 नाम जितेन्द्र यादव, 01 अदद मोबाइल कम्पनी VIVO बरामद, अभियुक्त उमेश उर्फ गोलू 1500/- रुपये व एक अदद ATM का6522112025143172 नाम जितेन्द्र यादव बरामदा अभियुक्त जितेन्द्र

1500/- रुपये व एक अदद पीली धातु की अंगूठी बरामदा अभियुक्त राजेश कुमार

गिरफ्तारी स्थल- नन्दाखेडा बद्रीप्रसाद पुरवा मोड बरामद किया गया है

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप-निरीक्षक वागीश कुमार मिश्र, उप-निरीक्षक सुखपाल सिंह,आरक्षी सोमेश कुमार वर्मा आरक्षी सोनू शर्मा आरक्षी संतराज यादव थाना,आरक्षी राजकुमार ने गिरफ्तारी में अहम भूमिका निभाई।

प्रधानमंत्री ने इंडियन ऑयल के बैतालपुर टर्मिनल की अतिरिक्त सुविधाएं राष्ट्र को की समर्पित

रामाश्रय
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
देवरिया

देवरिया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 319 करोड़ रुपये की लागत की इंडियन ऑयल के बैतालपुर टर्मिनल पर अतिरिक्त सुविधाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। प्रधान मंत्री द्वारा इन सुविधाओं का लोकार्पण वाराणसी से एक वर्चुअल समारोह के माध्यम से किया गया।

इंडियन ऑयल के बैतालपुर टर्मिनल पर इस लोकार्पण समारोह में देवरिया सदर विधायक डॉ0शलभ मणि त्रिपाठी,देवरिया जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक देवरिया संकल्प शर्मा,भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अंतरयामी सिंह, देवेन्द्र सिंह महाप्रबंधक (संचालन), यूपीएसओ-द्ध, इंडियनऑयल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ जिला प्रशासन और इंडियन ऑयल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। पूर्वी उत्तर प्रदेश में बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए इस टर्मिनल पर 319 करोड़ की लागत से मौजूदा सुविधाओं में वृद्धि की गई है। इसकी भंडारण क्षमता 30,000 किलोलीटर से बढ़ाकर 1,02,000 किलोलीटर कर दी गई है। इस टर्मिनल में नए टैंकों का निर्माण किया गया है और कुछ मौजूदा टैंकों की भंडारण क्षमता को सुरक्षा मानदंडों को पूरा करते हुए बढ़ाया गया है। संशोधित टर्मिनल में 2×8 बे टैंक ट्रक लोडिंग गैन्ट्री और एमएस, एचएसडी, इथेनॉल और बायोडीजल के भंडारण टैंक भी शामिल है।

यह टर्मिनल अब पटना-मोतिहारी-बैतालपुर पाइपलाइन से जुड़ चुका है। पाइपलाइन कनेक्टिविटी होने से प्रति वर्ष लगभग 14,000 टन कार्बन उत्सर्जन कम होने की उम्मीद है। इस टर्मिनल पर अब रेल वैगनों या पाइपलाइन के माध्यम से पेट्रोलियम उत्पाद प्राप्त करने की सुविधा उपलभ्ध है। संवर्धित टर्मिनल पर वित्त वर्ष 23-24 के लिए अनुमानित श्रूपुट 1,090 टीएमटीपीए (एमएस-1230 केएल/प्रतिदिन और एचएसडीः1970 केएल/प्रतिदिन) है। क्षेत्र और राज्य के औद्योगिक विकास और आर्थिक प्रगति में इस टर्मिनल का योगदान महत्वपूर्ण होगा। बॉटम लोडिंग सुविधाओं के साथ टैंक ट्रक लोडिंग का अत्याधुनिक स्वचालन सिस्टम न सिर्फ लोडिंग संचालन को सुव्यवस्थित करेगा वल्कि यह इस क्षेत्र में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने में भी सहायक होगा। इस सुधार से पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति व्यवस्था सुद्रण हो जायेगी। वाष्प पुनर्प्राप्ति इकाई के साथ मिलकर बॉटम लोडिंग सुविधाएं पर्यावरण में वीओसी के उत्सर्जन को कम करने में मदद करेंगी। इथेनॉल और बायो-डीजल की बढ़ी हुई भंडारण क्षमता पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्थायी ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में इस टर्मिनल से क्षेत्र से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने के साथ-साथ सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की भी उम्मीद है। इस सुविधा से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसरों के दृष्टिगत प्रति वर्ष 11.9 लाख मानव-घंटे का सृजन होगा जो स्थानीय आबादी को लाभान्वित करेगी। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रभाकर राय, सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेन्द्र शाही,एसवी सिंह डीपी सिंह, एमके श्रीवास्तव, ऐ के त्रिपाठी एवं आलोक यादव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

पिता कर्नल को बेटा लेफ्टिनेंट कर्नल ने दी मुखाग्नि

पंचतत्व मे विलिन हुए मदन मोहन

रामाश्रय
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
देवरिया

देवरिया। भागलपुर ब्लाक के मईलौटा गांव निवासी 61 वर्षीय सेवानिवृत्त कर्नल मदन मोहन मिश्रा पुत्र व्यास मिश्रा का अंतिम संस्कार भागलपुर कालीचरण घाट पर कर दिया गया। जहां उनके शव को मुखाग्नि उनके बड़े बेटे लेफ्टिनेंट कर्नल सूरज मिश्रा ने नम आंखों से मुखाग्नि दी। भागलपुर सरयूतट पर उनके अंतिम संस्कार मे भारी संख्या में भीड़ जुटी रही। मईलौटा गांव निवासी सेवानिवृत्त कर्नल मदनमोहन मिश्रा का रविवार को सुबह आकस्मिक निधन दिल्ली अस्पताल मे हो गया। इनके निधन से क्षेत्र की जनता और ग्रामीण स्तब्ध हैं। इनका शव सड़क मार्ग से देर रात रविवार को 11 बजे इनके पैतृक गाँव देवरिया मईलौटा पहुँचा, जहाँ सोमवार सुबह भागलपुर काली चरण घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि 1999 के कारगिल युद्ध आप्रेशन मे भाग लिए थे। जो पाकिस्तान को नाकों तले चने चबवा दिये थे। इनके साथ 505 आर्मी बेस दिल्ली मे सेवा दे चुके रामू यादव ने बताया की ये बहुत ही नेक दिल, कुशल व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे। इनके कार्यो से प्रभावित होकर देश के पहले सीडीएस विपिन रावत ने सम्मानित किया था। इनका बड़ा बेटे भी लेफ्टिनेंट कर्नल पद पर तैनात है। पिता व्यास मुनी मिश्रा बीएसएफ में थे, इनके छोटे भाई अशोक मिश्रा भी फौज मे थे। इनका परिवार के सैनिक परिवार है। ये हमेशा मन मे देश सेवा का भाव लिए इस दुनिया को अलविदा कह गये। जहां थाना मईल के प्रभारी निरीक्षक गोरख नाथ सरोज ,अनीश , सुबोध यादव, कृष्ण कुमार पाल, जवाहर नवीन ग्राम प्रधान राजेश यादव,भूषण यादव, विक्रम पाण्डेय,जगत जायसवाल,मणि यादव बृजानंद यादव, वीरेंद्र मिश्र, सचितानन्द मिश्र, अशोक मिश्र, रामू यादव, विनय मिश्र,जलेश्वर यादव,विवेकानंद पाण्डेय, प्रवीण,अभिनव गौरव पाण्डेय , विजय बाबा, रामआश्रय यादव,हरेराम, मकसूदन,महेश प्रसाद आदि उपस्थित रहे सभी ने उन्हे श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का हुआ आयोजन

देवरिया। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत भागलपुर विकास खण्ड के बगही व बकुची दो गांवों मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई । कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई हुई व बच्चो का अन्नप्राशन कराया गया । कार्यक्रम को सबसे पहले दीप प्रज्वलित कर शुरूआत की ।इस दौरान विभाग के अधिकारियों ने अपने अपने विभाग के बारे मे जानकारी देते हुए कहा की सरकार द्वारा आमजन के हित में कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है । लाभार्थी व किसानो को प्रमाण पत्र भी दिया गया। इस दौरान भागलपुर खण्ड विकास अधिकारी वसीम निजामी खां , एडीओ पंचायत धीरेंद्र सागर, ग्राम प्रधान बगही अगद यादव पारूल बकुची दो के प्रधान शक्ति चौधरी अनुज आलोक सिंह सेटर , भागलपुर मण्डल अध्यक्ष दीनबंधु सिंह कन्हैया लाल तिवारी, सम्भू जयसवाल, सचिव संजय यादव ,लेखपाल अमरनाथ डाक्टर राममनोहर त्रिपाठी, राजेश यादव पारूल, अनिल कुशवाला परमात्मा सिंह मन्टू प्रसाद नागेन्द्र सिंह रवींद्र यादव दिलिप कुमार रामसरन यादव सिग्रेटरी अरविंद कुमार नूर ऐसा मुहम्मद इस्राइल प्रवेश पाण्डेय अमरीता सिंह नारायण शुक्ला विवेकानंद आदि लोग उपस्थित रहे।

नवजात के गर्भ में आने से लेकर मरने तक सरकार चला रही योजनाएं:के0 डी0 गोस्वामी

विकसित भारत संकल्प यात्रा का पंचायत भवन बरौवा भदौली पर हुआ आयोजन

अतहर मेहदी
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
बहराइच

बहराइच। जनपद के विकास खण्ड चित्तौरा के ग्रामसभा बरौंवा भदौली के पंचायत भवन पर आज विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन हुआ।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपायुक्त श्रम रोजगार के0डी0 गोस्वामी रहे जबकि अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी चित्तौरा सौरभ कुमार पाण्डेय ने की इस दौरान विभागो द्वारा स्टाल लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा एलईडी वैन से लोगों को जागरूक करने वाले कार्यक्रमों का प्रसारण होता रहा इस दौरान भरी संख्या में बारौवा भदौली सहित आस पास के लोग मौजूद रहे। आज।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा सरस्वती जी की के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं द्वीप प्रज्वलित कर किया गया।इसके बाद प्राइमरी विद्यालय के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना एवं गीत प्रस्तुत किया गया जिसका उपस्थित सभी लोगों ने तालियां बजाकर स्वागत किया।इस कार्यक्रम के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं जैसे स्वास्थ्य विभाग, आवास, राशन कार्ड,आधार कार्ड, वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, शिक्षा विभाग की योजनाओं से संबंधित लोगों को मिलने वाली योजनाओं से लाभान्वित करने व उनकी समस्याओं का निदान करने हेतु विभिन्न स्टाल लगाए गए।अपने संबोधन में श्री गोस्वामी ने सरकार की योजनाओं की बिंदुवार जानकारी लोगो तक पहुंचाते हुए कहा कि सरकार आम जन के उत्थान के लिए बच्चों के पेट में आने से लेकर मरने तक के लिए अनेकों योजनाएं चला रही है अंतिम संस्कार के लिए सहायता करना यह बड़ा उदाहरण है। सरकार की मंशा इस यात्रा को जनता के द्वार द्वार तक भेज कर सभी को जागरूक करने और सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए संपूर्ण जानकारियां पहुंचाई जा रही है। इस दौरान बीडीओ चित्तौरा सौरभ कुमार पाण्डेय एडीओ आईएसबी एडीओ पंचायत अशोक श्रीवास्तव एडिओ महिला ज्योति सिंह एपीओ संदीप त्रिपाठी सीडीपिओ चित्तौरा ओम प्रकाश यादव पंचायत सचिव विधानचंद ग्राम प्रधान समस्त विभागो से आए अधिकारी कर्मचारियों कृषि विज्ञानिको आदि के साथ साथ भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

संविलियन विद्यालय यादवपुर की व्यवस्थाओं से प्रसन्न दिखा आईएफएस अधिकारियों का दल

सुसज्जित लैब, स्मार्ट क्लास व पुस्कालय की हुई सराहना

निष्प्रयोज्य सामग्री से तैयार मॉडल रहा मुख्य आकर्षण

बच्चों के रंगारंग प्रस्तुति ने अतिथियों का मोहा मन

कम बैक सून सर, कहकर बच्चों ने राजदूतों को दी विदाई

अतहर मेहदी
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
बहराइच

बहराइच। भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों के मिड कैरियर ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत आकांक्षात्मक जनपद बहराइच के एक दिवसीय भ्रमण पर आये 03 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल में संयुक्त सचिव पीयूष श्रीवास्तव व अनुराग श्रीवास्तव तथा दोहा में भारतीय राजदूत विपुल ने मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर., नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, प्रशिक्षु पीसीएस ज्योति चौरसिया, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अव्यक्तराम तिवारी, बीडीओ तेजवापुर अजय सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ विकास खण्ड तेजवापुर अन्तर्गत संविलियन विद्यालय यादवपुर का निरीक्षण किया। संविलियन विद्यालय की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने के लिए पहुंचे प्रतिनिधि मण्डल ने स्मार्ट क्लास, किचन गार्डन, रसोई, शौचालय, पुस्तकालय, लैब, रेन वाटर हार्वेस्टिंग यूनिट, निष्प्रयोज्य सामग्री से तैयार मॉडल के साथ-साथ कक्ष-कक्षों तथा विद्यालय परिसर की साफ-सफाई का जायज़ा लिया। स्मार्ट क्लास के निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधि मण्डल ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेश पाण्डेय से विजुअल इफेक्ट के माध्यम से बच्चों पर पड़ने वाले इम्पैक्ट के बारे में जानकारी प्राप्त की। पुस्कालय तथा लैब की विविधता को देखकर अतिथियों द्वारा सभी सम्बन्धित के प्रयासों की सराहना की गई।

उल्लेखनीय है कि विद्यालय पहुंचने पर बीएसए व बीडीओ ने पुष्पगुच्छ भेंट कर प्रतिनिधि मण्डल का स्वागत किया। जबकि स्कूली बच्चों ने स्वागतगीत, लोकगीत, बालगीत व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मेहमानों का स्वागत किया। राजदूतों ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किये गये सांस्कृतिक प्रोग्राम और स्वागत गीत की मुक्तकंठ से सराहना भी की। प्रतिनिधि मण्डल में शामिल अधिकारियों ने वन-टू-वन बच्चों से संवाद कर उनकी शिक्षा दीक्षा तथा अन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए पूरी मेहनत के साथ शिक्षा के सफर को जारी रखने की सीख दी। विद्यालय के बच्चे भी अतिथियों के साथ इस तरह से घुल मिल गये कि सभी बच्चों ने अतिथियों के साथ स्मृति के तौर पर सेल्फी भी शूट की। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के बच्चों ने कम बैक सून सर कह कर प्रतिनिधि मण्डल में शामिल अधिकारियों को विदाई दी।

इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी तेजवापुर अखिलेश कुमार वर्मा, फखरपुर के अनुराग कुमार मिश्र, मिंहीपुरवा के अजीत कुमार सिंह, एडीओ पंचायत राम कुमार, सचिव पाटेश्वर प्रताप सिंह, पवन वर्मा, राज कमल, रोहित मौर्य, मनीष अवस्थी, अखिलेश यादव, विद्यालय के शिक्षक संतोष कुमार, वर्तिका मिश्रा, गरिमा सिंह, मनोज रावत समेत अन्य लोग मौजूद रहें।

विकास कार्यों की समीक्षा बैठक 19 दिसम्बर को

बहराइच। मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना ने बताया कि 19 दिसम्बर 2023 को अपरान्ह 03:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में शासन के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले विकास कार्यक्रमों की मासिक समीक्षा, सीएम डैश बोर्ड व आईजीआरएस की समीक्षा बैठक आहूत की गयी है। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों से अपेक्षा की है कि अद्यतन प्रगति रिपोर्ट के साथ ससमय बैठक में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

सामाजिक सेवा को नयी उडान देते हुए सर्वहितकारी पत्रकार परिवार ने निशुल्क शिक्षा देने की करी शानदार शुरुआत

सर्वहितकारी पब्लिक स्कूल के तहत कम आयु वर्ग के निर्धन गरीब छात्र छात्राओं को मिलेगी निःशुल्क शिक्षा

कुशीनगर ब्यूरो। सर्वहितकारी पत्रकार परिवार महासंगठन ने सामाजिक सेवा क्षेत्र मे नये पंख लगाकर कम आयुवर्ग के निर्धन छात्र छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा देने की आज शुरुआत करते हुए नया सोपान लिखा है। सर्वहितकारी पत्रकार परिवार महासंगठन के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद ने बताया कि भारत सरकार, नीति आयोग की मंशा है कि देश मे कोई भी अशिक्षित न रहे इसलिए सर्वहितकारी परिवार महासंगठन ने गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने का 17 दिसम्बर से सर्वहितकारी पब्लिक स्कूल के माध्यम शुरुआत कर दिया है सबसे पहले इसे उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जनपद मे 40 सेंटर खोले जाएंगे जिसमें गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जायेगी बच्चों को संगठन तमाम तरह के अन्य सुविधाएं भी मुहैया करायेगा सर्वहितकारी पत्रकार परिवार महासंगठन ने इस महत्वपूर्ण कार्य मे संगठन जिला, तहसील, ब्लॉक स्तर की ईकाइयों के प्रभारी, अध्यक्ष और मोटीवेटर को अधिकृत किया है यही तीनों पदाधिकारी सर्वहितकारी पब्लिक स्कूल संचालित करवाने को अधिकृत होंगे जो लोग अध्यापक की भूमिका निभाएंगे उन्हें अपना वायोडाटा,शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र संगठन के अधिकृत पदाधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा साक्षात्कार मे सफल होने पर वे सर्वहितकारी पब्लिक स्कूल के मुखिया के रूप में गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने का काम करेंगे। निश्चित है इससे एक नवीन शिक्षा की क्रांति का स्वर्णिम उदय हो जायेगा। आगे चलकर समस्त वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण कर इसे विस्तार देने पर भी विचार होगा।

कन्या जन्मोत्सव के माध्यम से महिलाओं को किया गया सम्मानित

धनश्याम
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
कुशीनगर

कुशीनगर ब्यूरो।

जिला प्रोवेशन अधिकारी विनय कुमार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार आज जिला चिकित्सालय रविन्द्र नगर धूस स्थान, पडरौना कुशीनगर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अन्तर्गत कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें आज से 03 दिन पूर्व तक जन्म लिए हुए बच्चियों का जन्मोत्सव मनाया गया, तथा उनकी माताओं श्रीमती अनामिका देवी पत्नी शिवकुमार, श्रीमती उषा देवी पत्नी संजय श्रीमती सुमन, पत्नी बृजेश, श्रीमती रूबिना खातून पत्नी जूमारहिम, श्रीमती सफिया पत्नी अजमून, श्रीमति मदिना देवी पत्नी फकरुदीन श्रीमति विन्दा देवी, पत्नी रामू, खुशबुन पत्नी असलम श्रीमति विन्दा पत्नी हेमन्त, श्रीमति सुमित्रा देवी पत्नी जितेन्द्र श्रीमति शिम्पी पत्नी विघा, को मिष्ठान, सॉल, बेवी किट, गुडिया, इत्यादि उपहार स्वरूप दिया गया, तथा महिला कल्याण द्वारा संचालित समस्त योजनाओं के विषय में जानकारी दिया गया, जिसमें उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) उ0प्र0 मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के विषय में जानकारी दिया गया। इस अवसर पर एच0एस राय, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, विनय कुमार जिला प्रोवेशन अधिकारी, श्रीमती राजेश्वरी कुमारी नर्स ऑफिसर, जिला समन्वयक, वन्दना, सहित जिला प्रावेशन कार्यालय के अन्य कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

ज्ञान का दीपक जलाना है,बाल श्रम और बाल विवाह को जड़ से मिटाना है:समीक्षा

यूनिसेफ़ द्वारा सहायतित एवं एक्शनएड द्वारा संचालित नई पहल बाल संरक्षण परियोजना

अतहर मेहदी
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
बहराइच

गोरखपुर। जनपद के ब्लॉक खोराबार में ब्लॉक स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया।खंड विकास अधिकारी आसिफ़ अख्तर ने बैठक की अध्यक्षता कर बाल संरक्षण समिति के कार्य एव दायित्वों पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया जिला समन्वयिका समीक्षा यादव ने बताया कि नई पहल बाल संरक्षण परियोजना के अंतर्गत ब्लॉक खोराबार में 25 ग्राम पंचायत चयनित कर किशोरी समूहों का गठन करना और उन्हें सरकार द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देना ही परियोजना का मुख्य उद्देश्य है परियोजना के अंतर्गत बाल सभा का गठन कर बाल मैत्रिक ग्राम पचांयत का निर्माण करने हेतु ग्राम प्रधान, विद्यालय प्रबंधन समिति, अभिवावकों को किशोरियों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है।इसी क्रम में बच्चों का चिन्हीकरण कर उन्हें विद्यालय से जोड़ने एवं सामाजिक सुरक्षा का लाभ दिलाने के लिए संस्था लगातार जिला प्रशासन के सहयोग से कार्य कर रही है ताकि प्रत्येक गांव बाल श्रम, बाल विवाह एवं बाल तस्करी से मुक्त हो सके।एडीओ पंचायत रवि कुमार ने बाल संरक्षण समिति में ग्राम प्रधान की भूमिका पर ज़ोर दिया आपने किशोरी समूहों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ देने का आश्वासन दिया।

बाल संरक्षण अधिकारी संगीता ने प्रोबेशन कार्यालय द्वारा चलाई जा रही योजनाओं जैसे स्पॉशरशिप स्कीम पर बात की एवं महिला एवं किशोरियों की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन पर प्रकाश डाला । सामुदायिक स्वास्थ केंद्र से डॉक्टर अब्दुल हक़ ने किशोरियों एवम बच्चों से संबंधित स्वास्थ एवं पोषण पर अपनी बात रखी। टेक्निकल रिसोर्स पर्सन यूनिसेफ मनोज ने किशोरियों की नेतृत्व क्षमता वर्धन, बाल सेवा योजना और थाना खोराबार से हेड कांस्टेबल लोकनाथ सिंह ने मिशन शक्ति के अन्तर्गत कुछ प्रमुख क़ानूनों अनैतिक व्यापार निवारण, पॉस्को, बाल विवाह प्रतिषेध, बॉल श्रम पर बात की ।

बैठक का मुख्य उद्देश्य ब्लॉक स्तरीय बाल संरक्षण समिति को सशक्त कर सभी के सहयोग से बाल श्रम, बाल विवाह बाल तस्करी पर अंकुश लगाने को लेकर रणनीति तैयार करना था। बैठक में ग्राम प्रधान सुरेश प्रसाद, बेसिक शिक्षा विभाग से सुभाष चंद्र, आंगनवाड़ी कार्यकत्री मौजूद रहीं ।

कन्या जन्मोत्सव के माध्यम से महिलाओं को किया गया सम्मानित

कुशीनगर ब्यूरो। जिला प्रोवेशन अधिकारी विनय कुमार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार आज जिला चिकित्सालय रविन्द्र नगर धूस स्थान, पडरौना कुशीनगर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अन्तर्गत कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें आज से 03 दिन पूर्व तक जन्म लिए हुए बच्चियों का जन्मोत्सव मनाया गया, तथा उनकी माताओं श्रीमती अनामिका देवी पत्नी शिवकुमार, श्रीमती उषा देवी पत्नी संजय श्रीमती सुमन, पत्नी बृजेश, श्रीमती रूबिना खातून पत्नी जूमारहिम, श्रीमती सफिया पत्नी अजमून, श्रीमति मदिना देवी पत्नी फकरुदीन श्रीमति विन्दा देवी, पत्नी रामू, खुशबुन पत्नी असलम श्रीमति विन्दा पत्नी हेमन्त, श्रीमति सुमित्रा देवी पत्नी जितेन्द्र श्रीमति शिम्पी पत्नी विघा, को मिष्ठान, सॉल, बेवी किट, गुडिया, इत्यादि उपहार स्वरूप दिया गया, तथा महिला कल्याण द्वारा संचालित समस्त योजनाओं के विषय में जानकारी दिया गया, जिसमें उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) उ0प्र0 मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के विषय में जानकारी दिया गया। इस अवसर पर एच0एस राय, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, विनय कुमार जिला प्रोवेशन अधिकारी, श्रीमती राजेश्वरी कुमारी नर्स ऑफिसर, जिला समन्वयक, वन्दना, सहित जिला प्रावेशन कार्यालय के अन्य कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद भर के विभिन्न रैन बसेरों का हुआ व्यापक निरीक्षण

धनश्याम
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता
कुशीनगर

कुशीनगर ब्यूरो। शीतलहर के दृष्टिगत जनपद कुशीनगर में किसी भी गरीब, असहाय एवं बेसहारा व्यक्तियों को किसी भी प्रकार की परेशानी व असुविधा न हो, इसके लिए बीती देर रात्रि जनपद में स्थित विभिन्न रैन बसेरों का व्यापक निरीक्षण कराया गया जिला प्रशासन के निर्देश के क्रम में विभिन्न जनपद स्थित रैन बसेरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। आगंतुकों के लिए पर्याप्त मात्रा में बिस्तर उपलब्ध कराने तथा उचित साफ सफाई करने व अलाव जलाए जाने के निर्देश दिए गए। रैन बसेरे में आने वाले व्यक्तियों को रजिस्टर मेंटेन करते हुए उसका अंकन करने के भी निर्देश दिए । निरीक्षण के क्रम में उपजिलाधिकारी कसया द्वारा बस स्टैंड कसया रैन बसेरा, नगर पालिका परिषद कसया, विश्वकर्मा मंदिर परिसर कसया तीनों रैन बसेरों का निरीक्षण किया गया। आगंतुक रजिस्टर भी चेक किया गया। पानी एवं शौचालय की व्यवस्था ठीक पाई गई। यदि किसी आगंतुक को खाने की समस्या हो, उसके प्रबंध के लिए ईओ नगर पालिका परिषद कुशीनगर को निर्देशित किया गया। इसी क्रम में उपजिलाधिकारी खड्डा द्वारा नगर पंचायत खड्डा स्थित रैन बसेरा का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

समाजसेवी रामाशीष साहनी ने 251 गरीव परिवारों में बांटा कम्बल,गरीवों ने सराहा

रविन्द्र मिश्रा

कप्तानगंज कुशीनगर। विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बसहिया उर्फ कप्तानगंज में समाजसेवी रामाशीष साहनी ने 251 गरीव परिवार में कम्बल का वितरण किया।जिसको पाकर लोगो ने प्रसन्नता ब्यक्त किया है। कप्तानगंज के ग्राम पंचायत बसहिया उर्फ कप्तानगंज के बभनौली टोला में पंचायत भवन के निकट आयोजित एक कार्यक्रम में ग्राम प्रधान सुभाष यादव की अध्यक्षता में समाज सेवी रामाशीष यादव ने कम्बल वितरित करते हुए कहाकि ठंड के सीजन में गरीबो को गर्म कपड़े देना पुनीत का कार्य है।इसको लेकर भाजपा की सरकार भी सक्रिय है।हर ब्यक्ति को अपने सामर्थ्य के अनुसार दुसरो का सहयोग करना चाहिए। जिससे आपसी भाई चारे की भावना मजबूत बनी रहे। इस मौके पर फेकू साहनी शिव साहनी जितेंद्र साहनी राम किशुन अर्जुन यादव राजकुमार भगेलू शर्मा आसीन अन्सारी बुध्द कन्हैया परोहि राम निवास केशव शारदा सुखई आदि मौजूद रहे।

सभासदों ने दुद्धी नगर पंचायत अध्यक्ष व इओ के खिलाफ खोला मोर्चा

कहा इओ निरंतर रहते है कार्यालय से नदारद, नगर पंचायत के कर्मचारी भी हुए बेपरवाह

नगर पंचायत अध्यक्ष रहते है मौन, विकास की उम्मीद लगाई जनता सभासदों को लताड़ रही

सुनील ठाकुर (संवाददाता)
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता

सोनभद्र/दुद्धी। स्थानीय नगर पंचायत कार्यालय पर सोमवार की दोपहर कई वार्ड के सभासदों व ठीकेदारों ने जमकर बवाल काटा अक्रोशित सभासदों का कहना था कि दोपहर के 1 बज रहे है और कार्यालय में ना तो इओ बैठे है और ना ही नगर पंचायत अध्यक्ष अपने वार्डो में जनता के काम के लिए किससे कहे समझ नही आ रहा। जब से नए इओ आये है नगर पंचायत के कर्मचारी और लापरवाह हो गए है और केवल उनके इशारे पर चल रहे है। वहीं कुछ ठीकेदारों का आरोप था कि अभी नगर पंचायत की ओर से टेंडर निकाला गया है ,21दिसम्बर तारीख अंतिम तिथि है और उन्हें फार्म नही दिया जा रहा, यहां टेंडर का प्रकाशन बहुत ही गोपनीय तरीके से कराया जाता है और चहेतों से मनमाना काम कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर नगर पंचायत प्रशासन अपने रवैये में सुधार नही लाता है तो आंदोलन को बाध्य होंगे।

वार्ड नं के सभासद प्रतिनिधि मोहित अग्रहरी ने आरोप है कि नगर पंचायत की स्थिति जो है दिन प्रतिदिन बदतर होती जा रही है , अध्यक्ष से कहने पर एक कान से सुनकर हाँ में हाँ मिलाकर कहा जाता है कि ऐसे ही नगर पंचायत चलता है , आज सोमवार है अभी 1 बजने को है , ना नगर पंचायत का ऑफिस खुला है ना कोई अधिकारी है और ना कोई लिपिक है और ना चपरासी

हैवार्ड नं 4 के सभासद राकेश आजाद ने आरोप लगाया कि यहां पर सब मनमानी हो रहा है किसी भी कार्य की कोई जानकारी नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा उन्हें नही दी जा रही है ,कड़ाके की ठंड पड़ रही है अलाव की मांग की जा रही है लेकिन लकड़ी नही पहुँच रही है , साफ सफाई का भी हाल यहां बदहाल है यहां कोई कार्य नही हो रहा सब मनमानी हो रहा है जनता हमसे अभद्रता कर रही है उनसे गाली सुनने की नौबत आ गयी है वार्ड नं 11 के सभासद शाहिद आलम ने कहा कि यहां चैयरमैन साहब को ना कोई काम सुनना है ना कुछ बस इसी तरह से हो रहा है , हर वार्ड की स्थिति चौपट हैकस्बे में साफ सफाई नही हो रहा और ना

''शासकीय कार्य से बाहर हूं ,हमेशा नदारद रहने का आरोप बेबुनियाद है ,चिन्हित स्थानों पर अलाव जल रही है , बोर्ड के बैठक के प्रस्ताव के दरकिनार करने के आरोप पर कहा कि इसके अध्यक्ष नगर पंचायत अध्यक्ष होते है वही पता पाएंगे कि सभासदों का प्रस्ताव में वे क्या चॉइस करते है।

-: रामसमुख

जब नगर पंचायत दुद्धी के ई0ओ राम समुख से नगर पंचायत द्वारा निकले टेंडर के बाबत पूछा गया की टेंडर भरने की अंतिम तिथि कब तक है और किन अखबारों में प्रकाशित की गई तो ई0ओ0 राम समुख ने बताया की टेंडर की अंतिम तिथि 21 दिसंबर है और किन अखबारों में निकला है हमे अभी तक मालूम नही है अखबार का चयन चेयरमैन ने किया है हमने बोला था एक नेशनल व एक लोकल अखबार का चयन करे ।

अलाव जल रहा हैपब्लिक अगले चुनाव में हमे दौड़ा दौड़ा कर मारेगी वार्ड नं 3 के सभासद प्रतिनिधि आनंद अग्रहरी ने कहा कि गोपाल दास जायसवाल से लेकर राजकुमार अग्रहरी का कार्यकाल देखे आज तक इतना बुरा स्थिति में नगर पंचायत नही चल रहा था। इओ से अलाव के लिए लकड़ी गिराने के लिए 4 दिन हो गया है आज तक लकड़ी नही पहुँचा । कहते है कि दो ट्रैक्टर लकड़ी में पूरा दुद्धी हो जाएगा। पहले 50 -100 टन तक लकड़ी गिरता था नगर पंचायत लकड़ी गिराने में इतना कोताही क्यों कर रहा समझ नही आ रहासभी को फोन लगाने पर उनका फोन कवरेज क्षेत्र से बाहर बता रहा है,वार्ड नं 10 के सभासद आमेश सिंह ने कहा कि 35 वर्ष बाद हमारे वार्ड में परिवर्तन हुआ है मेरे वार्ड में अभी तक कोई विकास कार्य नही कराया गया है और ना ही लाइट लगा है ,बार बार इओ से कहने पर केवल आश्वाशन देते है इओ महीने 4 दिन रहते है बाकी दिन गायब रहते हैं। समस्यायों की शिकयत करने पर सिर्फ़ आश्वाशन मिलता है विकास के नाम पर एक भी ईट मेरे वार्ड में नही रखा गया हैइस मौके पर वार्ड नं 5 के सभासद शाहनवाज खान ,वार्ड नं 1 के सभासद निरंजन कुमार मौजूद रहे।

जेल चौकी प्रभारी का अजब गजब कारनामा

पीड़ित का ही कर दिया शांतिभंग में चालान

दरोगा जी आपसे तो शिकायत करना ही हो गया गुनाह

सीतापुर। नपद के कप्तान अपराध कम करने के साथ जहा आम लोगो के बीच पुलिस की गुड इमेज बनाने का कार्य कर रहे वही जेल चौकी प्रभारी का एक नया अंदाज सामने आया है। आपको बताते चले कि सीतापुर जेल रोड स्थित धनीराम मिस्ठान भंडार पर एक शराबी व्यक्ति के द्वारा दुकान मालिक और नौकरों से गाली गलौज की गई यहां तक की नौकर को करने के लिए भी शराबी द्वारा प्रयास किया गया यह सब देखकर दुकान मालिक ने सारे वीडियो भी बना लिए उसके बाद पुलिस से संपर्क करने पर जेल चौकी इंचार्ज अश्मित भारती मौके पर पहुंचे और पीड़ित और और शराबी व्यक्ति को गाड़ी में बिठाकर कोतवाली पहुंच गए जहां पर उनके द्वारा शराबी के साथ-साथ पीड़ित का भी 151 में चालान कर दिया गया अब ऐसे में कोई पीड़ित अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस को कॉल करने में भी डरेगा ।

राष्ट्रपति द्वारा हिण्डाल्को को मिला प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2023

सुनील ठाकुर (संवाददाता)
सिटीज़न वॉयस, संवाददाता

सोनभद्र /रेणुकूट। ऊर्जा के विभिन्न कुशल उपायों को अपनाने तथा संयंत्रों में विद्युत व थर्मल ऊर्जा की खपत में निरंतर कमी लाने हेतु किये गए प्रयासों के लिए हिण्डाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट को भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण- 2023 के प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हिण्डाल्को रेणुकूट के सीओओ श्री एन. नागेश व रेणुकूट स्मेल्टर हेड श्री जे.पी. नायक ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार, राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में देशभर की अलग- अलग सेक्टर्स की कुल 517 कम्पनियों ने भाग लिया था।

गौरतलब है कि देशभर में एल्युमिनियम सेक्टर की अग्रणी कंपनी हिण्डाल्को ने ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में स्मेल्टर (एकीकृत) श्रेणी में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। हिण्डाल्को रेणुकूट हमेशा से अपनी

विनिर्माण प्रक्रियाओं में विशिष्ट ऊर्जा खपत और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहा है। इन्हीं प्रयासों को देखते हुए हिण्डाल्को को एल्युमीनियम सेक्टर (स्मेल्टर - एकीकृत) के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार के नवाज़ा गया। इस अवसर पर श्री नागेश ने कहा कि यह पुरस्कार संयंत्र के प्रत्येक कर्मचारी के समर्पण, कड़ी मेहनत और नवाचार का परिणाम है जो इस उल्लेखनीय यात्रा का अभिन्न अंग रहे हैं। हिण्डाल्को रेनुकूट के ऊर्जा संरक्षण के प्रयासों का ही परिणाम है कि पिछले तीन वित्तीय वर्षों 2021- 23 तक 5678 मिलियन किलोकैलोरी तापीय ऊर्जा और 79 लाख यूनिट बिजली की बचत हुई है। यह सुधार मुख्य रूप से एल्युमिनियम इलेक्ट्रोलिसिस में पेटेंटेड स्टेप्ड एनोड स्टब के उपयोग, सॉलिड कैथोड रिंग व राइजर बस बार का उपयोग, कैप्टिव एल्यूमिना प्लांट में इवैपोरेटर के स्टीम इकॉनमी और लिक्विड प्रोडक्टिविटी में सुधार, रेणुकूट में रूफ सोलर पॉवर, रेणुसागर में सोलर पावर प्लांट साथ ही साथ रेणुसागर पॉवर प्लांट के बेहतर दक्षता के लिए टर्बाइनों को समय से अपडेट करना, ऊर्जा कुशल एलईडी ट्यूब लाइट, बीएलडीसी सीलिंग फैन, फैनलेस कूलिंग टॉवर, प्लांट और कॉलोनी में स्टार रेटेड (ओडीएस) मुक्त एयर कंडीशनर के साथ-साथ विभिन्न अन्य ऊर्जा कुशल टेक्नोलॉजी, प्रक्रियाओं आदि को अपनाना, इन्हीं उल्लेखनीय प्रयासों में शामिल है। श्री एन नागेश ने इस महान उपलब्धि के लिए सभी कर्मचारियों को बधाई दी और कहा कि इस तरह की राष्ट्रीय स्तर की मान्यता मिलने से निश्चित रूप से हम सभी को आने वाले दिनों में ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में और भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर रेणुकूट क्लस्टर के मानव संसाधन प्रमुख श्री जसबीर सिंह, एल्युमिना प्लांट हेड श्री एनएन रॉय, रेणुसागर पॉवर डिवीजन के यूनिट हेड श्री आरपी सिंह, स्मेल्टर हेड श्री जेपी नायक ने भी सभी कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने सर्वसम्मति से कहा कि इस राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार ने हमारी टीमों के बीच नई ऊर्जा और तालमेल का संचार किया है और हम इसी प्रेरणा के साथ आगे बढ़ते हुए ऊर्जा खपत को कम करने तथा कार्बन तटस्थता के लक्ष्य को दी गई समय सीमा के अंतर्गत प्राप्त करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

एनसीएल में अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आइकॉम्स 2023 के छठवें संस्करण का आयोजन 22-23 दिसंबर को

इमरान बख्शी
सिटीज़न वॉयस
संवाददाता
सोनभद्र

मुहम्मद इमरान बख्शी
(संवाददाता)

सोनभद्र/सिंगरौली। कोल इंडिया लिमिटेड की सिंगरौली स्थित प्रमुख अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) राष्ट्र की वर्तमान ऊर्जा आकांक्षा की पूर्ति के साथ खनन क्षेत्र विशेषकर ओपनकास्ट माइनिंग की भविष्य में दिशा व दशा देने में भी अहम भूमिका निभाने को प्रतिबद्ध रहती है। इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ओपनकास्ट माइनिंग टेक्नोलॉजी एंड सस्टेनेबिलिटी आइकॉम्स का निरंतर आयोजन खनन क्षेत्र के सतत विकास के प्रति एनसीएल प्रबंधन की कटिबद्धता को प्रदर्शित करता है। इसी कड़ी में आइकॉम्स के छठवें संस्करण का आयोजन एनसीएल आगामी 22-23 दिसंबर को करने जा रही है।

यह दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी के सहयोग से एनसीएल मुख्यालय सिंगरौली में आयोजित की जाएगी । आइकॉम्स 2023 का उद्देश्य पर्यावरण और सामाजिक विकास के साथ-साथ ऊर्जा दक्षता, उत्पादकता, सुरक्षा बढ़ाने के लिए आवश्यक नवीनतम प्रौद्योगिकी और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने हेतु हितधारकों को एक मंच प्रदान करना है । साथ ही राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में प्रासंगिक बने रहने के लिए चुनौतियाँ और उत्पादन की लागत को नियंत्रित करना भी है।

यह कॉन्फ्रेंस कोयला खनन वैश्विक और भारतीय दिग्गजों को कोयला उद्योग के दीर्घकालिक विकास हेतु विचार मंथन के लिए एक मंच प्रदान करेगा। साथ ही देश की बढ़ती हुई ऊर्जा मांग व वैश्विक ऊर्जा परिप्रेक्ष्य के आलोक में हरित ऊर्जा के प्रति राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बीच में एक सामंजस्य भी स्थापित करेगा। कॉन्फ्रेंस के दौरान तकनीकी सत्र, अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी, शोध पत्र प्रस्तुति, स्मारिका का विमोचन एवं पैनल डिस्कशन का आयोजन किया जाएगा। 6वीं अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से आत्मनिर्भर भारत और अमृत काल यात्रा, ओपनकास्ट खदानों में उत्पादन एवं उत्पादकता, उपकरण अवसंरचना और बिजली आपूर्ति प्रबंधन, मांग आपूर्ति परिदृश्य और दृष्टिकोण, व्यवसायिक विविधीकरण, खनन क्षेत्र में तकनीकी परिवर्तन, व्यवसाय विकास, नई पहल और नवाचार को बढ़ावा, खनन में डिजिटलीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सुरक्षा, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास, पर्यावरण और सामाजिक विकास पर जोर दिया जाएगा।

इस अवसर पर अलग- अलग क्षेत्रों के 600 प्रतिभागी भाग लेंगे । साथ ही कांफ्रेंस के दौरान 56 से अधिक शोध-पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे जिनमें 4 अंतर्राष्ट्रीय पेपर भी शामिल हैं।

कार्यक्रम की प्रदर्शनी में 52 कंपनियां अपने सर्वश्रेष्ठ कार्यों का प्रदर्शन करेंगी जिनके आधार पर सर्वश्रेष्ठ स्टॉलस को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

एनसीएल में आयोजित हुई '14वीं एनसीएल अंतर क्षेत्रीय प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता

इमरान बख्शी
सिटीज़न वॉयस
संवाददाता
सोनभद्र

कृष्णशिला क्षेत्र में आयोजित प्रतियोगिता में 56 टीमों के प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

सोनभद्र/ सिंगरौली। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) में रविवार को कृष्णशिला क्षेत्र में 14वीं प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कंपनी के 13 कोयला क्षेत्रों व इकाइयों की 56 टीमों ने हिस्सा लिया । प्रतियोगिता का समापन समारोह रविवार को शाम में आयोजित किया गया जिसमें निदेशक (कार्मिक) श्री मनीष कुमार बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। साथ ही एनसीएल के निदेशक (वित्त) श्री रजनीश नारायण, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री जितेंद्र मलिक, निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) श्री एस पी सिंह, एनसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री रविंद्र प्रसाद (आईटीएस), एनसीएल के जेसीसी सदस्य श्री अजय कुमार, श्री अरूण दुबे, श्री वीरेंद्र सिंह विष्ट व श्री अशोक पांडेय, सीएमओएआई के महासचिव श्री सर्वेश सिंह, एनसीएल की कृति महिला मण्डल की उपाध्यक्षा श्रीमती नम्रता कुमार, श्रीमती संगीता नारायण, श्रीमती वीणा सिंह, श्रीमती नीतू प्रसाद, सभी क्षेत्रों व मुख्यालय के महाप्रबंधकगण व बड़ी संख्या में कर्मी शामिल हुए।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री मनीष कुमार ने कहा कि सभी कर्मियों के पास प्राथमिक उपचार का ज्ञान होना चाहिए, प्राथमिक उपचार एक महत्वपूर्ण गुण है। उन्होने इस हेतु सभी कर्मियों को अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए आवहान किया । श्री रजनीश नारायण, निदेशक (वित्त) ने प्राथमिक उपचार को कंपनी तक सीमित न रखकर इसे समाज का हिस्सा बनाने पर ज़ोर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री जितेंद्र मालिक, निदेशक (तकनीकी/संचालन) ने अपने वक्तव्य में प्राथमिक उपचार को प्राचीनतम उपचार पद्धति बताया तथा इसे ज्यादा से ज्यादा कर्मचारियों तक पहुंचाने हेतु निर्देशित किया । प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता के समापन समारोह में बोलते हुए श्री एस पी सिंह निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) ने प्राथमिक उपचार के नियमों को समझने व इसके समय-समय अद्यतन पर ज़ोर दिया। कार्यक्रम में एनसीएल मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री रवीद्र प्रसाद, ने अपने वक्तव्य में प्राथमिक उपचार के महत्व के बारे में बताया ।

एनसीएल के जेसीसी के सदस्यगणों व सीएमओएआई के महासचिव प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता के सफल आयोजन की सराहना किया। उन्होने कहा कि प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता से प्राथमिक उपचार को लेकर जागरूकता बढ़ रही है और प्राथमिक उपचार से सीखे गए गुणों को वास्तविक दुर्घटनाओं के केश स्टडी से जोड़ कर समझना ज़रूरी है । अंतर क्षेत्रीय प्राथमिक उपचार प्रतियोगिता का उदघाटन एनसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री जितेंद्र मलिक ने रविवार सुबह किया था। इस प्रतियोगिता में 56 टीमों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में प्राथमिक चिकित्सा से सम्बंधित स्ट्रेचर ड्रिल, मार्चपास्ट, मॉडल तथा उपचार संबंधी प्रतियोगिताए आयोजित की गई। विभिन्न क्षेत्रों की इन टीमों को पांच श्रेणियों में बांटा गया था। प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा अलग-अलग श्रेणियों में प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया जिसमे मार्चपास्ट में दूधिचुआ विजेता एवं डीएवी स्कूल बीना उपविजेता, मॉडल में दूधिचुआ विजेता, डीएवी स्कूल बीना उपविजेता, प्रश्नोत्री में टीम 'ए' में निगाही विजेता व ब्लॉक 'बी' उपविजेता, टीम 'बी' में अमलोरी विजेता व निगाही उपविजेता, टीम 'सी' में एनएससी विजेता व मुख्यालय उपविजेता, टीम 'डी' में अमलोरी विजेता व निगाही उपविजेता, टीम 'ई' में खड़िया विजेता एवं सीडबल्यूएस उपविजेता रही । स्ट्रेचर ड्रिल में टीम 'ए' में जयंत विजेता व निगाही उपविजेता, टीम बी में दूधिचुआ विजेता एवं निगाही उपविजेता, टीम डी में बीना विजेता एवं ब्लॉक बी उपविजेता रहा।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने की बैठक

आमिल बेग
सिटीज़न वॉयस,
संवाददाता
सोनभद्र

चोपन/सोनभद्र। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की बैठक जुगैल क्षेत्र में जोरबा प्राथमिक विद्यालय पर कामरेड राम सुरत बैगा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जहां पार्टी की सदस्यता, नवीनीकरण के साथ क्षेत्र की जटिल समस्याओं को लेकर चर्चा किया गया। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जहां डिजिटल इंडिया पर जोर दे रही है वहीं इस क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की समस्या को दूर करने की कोई पहल नहीं कर रही, किसी भी अपदा व इमरजेंसी में इस क्षेत्र के लोग मौके पर न एंबुलेंस की सेवा का लाभ उठा सकते हैं और न पुलिस की सहायता प्राप्त कर सकते हैं, यह सबसे बड़ी समस्या है। इस क्षेत्र में लोगों को रोजगार देने के नाम बालू का खनन किया जा रहा है परन्तु मजदूरों को अपने रोजी-रोटी के लिए अन्य शहरों का सहारा लेना पड़ रहा है। खनन में अवैध तरीके से खुलेआम मशीनीकरण किया जा रहा है, खनन में रोजगार मांगने पर और चल रहे अवैध तरीके से खनन की शिकायत करने पर पुलिस द्वारा लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दिया जाता है । क्षेत्र में खेती किसानी के लिए सिंचाई का पर्याप्त अभाव है । खेती के जमीनों का भी समतलीकरण किया जाना चाहिए। बैठक को सम्बोधित करते हुए पार्टी के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा ने कहा कि क्षेत्र में रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल और सिंचाई का अभाव है, जनपद का यह क्षेत्र विकास से कोसों दूर है जहां मोबाइल नेटवर्क चलते डायल 112 व एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं का लाभ भी जन मानस को नहीं मिल रहा है। इसके लिए पार्टी जनता को लामबंद कर जन आंदोलनों को तेज करेगी। वही जनपद में चल रहे अवैध तरीके पर जोर देते हुए कहा कि सूबे को सबसे अधिक राजस्व खनन से जाता है और विकास के नाम पर खनिज न्यास फाउण्डेशन के मद का भी गोलमाल यहां किया जा रहा है । वही चेताया कि यदि एक माह के अंदर खनन में चल रहे मशीनीकरण को बंद नहीं किया जाता है तो पार्टी बड़े स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होगी । बैठक में उपस्थित अन्य नेताओं ने भी आंदोलन की बात को दोहराया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कामरेड अमरनाथ सूर्य, कामरेड प्रेम चंद्र गुप्ता, कामरेड हृदय नारायण, कामरेड कमला प्रसाद, कामरेड अनंत भारती, कामरेड हरीश चंद्र गोंड़, कामरेड शिव नारायण गुप्ता, कामरेड भरत पटेल, बीरबल खरवार, तोते खरवार,अयोध्या बैसवार, दलगंजन कोल, विजय कुमार, बुद्धि राम बैगा, हीरावती देवी, सितवंती देवी, सन्तोषी व पिंटू आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कामरेड तारकेश्वर गुप्ता ने किया।

ग्राम पंचायत पनाहनगर व गोहिलारी पहुंची विकसित भारत संकल यात्रा ।

मिश्रित सीतापुर। केंद्र सरकार व राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ आम जनता तक सीधे पहुंचाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल यात्रा का आयोजन शुरू किया गया है । यह यात्रा 15 नवंबर से शुरू हुई है । और 25 जनवरी तक चलती रहेगी । आज विकासखंड मिश्रित की ग्राम पंचायत पनाहनगर व गोहिलारी में विकसित भारत संकल्प पहुंच गई है । ग्राम पंचायत पनाहनगर में सांसद प्रतिनिधि देवेन्द्र कुमार नंद , पूर्व गन्ना चेयर मैन रामगढ चीनी मिल यतीन्द्र अवस्थी , प्रधान ज्ञानेन्द्र यादव , भाजपा कार्यकर्ता कमलाकांत मिश्र , ग्राम विकास अधिकारी हरीश कुमार के नेत्रत्व में कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ । वही ग्राम पंचायत गोहिलारी में ग्राम प्रधान मन्नू देवी , एडिओएजी शिवरतन , ग्राम विकास अधिकारी हरीश कुमार रोजगार सेवक सुनील कुमार के नेत्रत्व में कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ। आयोजित कार्यक्रम में सभी अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन व्दारा संचालित महत्वांकाक्षी योजनाओं की विस्तृत रूप से जानकारी दी। तथा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रमांण पत्र वितरित किए । इस अवसर पर कृषि विभाग के टीए , वीटीएम / एटीएम , शिक्षा विभाग , पंचायत विभाग , आंगनबाड़ी , रोजगार सेवक , पंचायत सहायक , समूह सखी , आशाबहू , कोटेदार आदि उपस्थित रहे ।

शकुंतला देवी इण्टर कालेज मझिगवॉ में वार्षिकोत्सव संपन्न

विपिन तिवारी
सिटीज़न वॉयस,
संवाददाता
सीतापुर

शिक्षा से बनेगा देश मजबूत प्रोफेसर सुधाकर वर्मा

प्रतिभा प्रगति की गाथा लिखती है:विधायक निर्मल वर्मा

बिसवां। प्रतिभा प्रगति की गाथा लिखती है। इसलिए प्रतिभा का सम्मान करना चाहिए। यह बात क्षेत्रीय विधायक निर्मल वर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि ब्रजमोहन शकुंतला देवी इण्टर कालेज मझिगवॉ बन्नी खरैला में वार्षिकोत्सव प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिभागियों का सम्मानित करते हुए कही। नन्द किशोर महाविद्यालय टिकरा के प्रबंधक संतोष वर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रुप में कहा कि इस कालेज के छात्रों की मनमोहक प्रस्तुतियां देखकर लगता है कि ये बहुत ही होनहार हैं। कार्यक्रम संयोजक कॉलेज के संस्थापक प्रबंधक डॉ. सुधाकर वर्मा ने कहा कि शिक्षा से देश मजबूत बनता है इसी मन्त्र वाक्य को ध्यान में रखकर इस कालेज की नींव रखी गई है। आप सबके स्नेह से यह कालेज उत्तरोत्तर उन्नति कर रहा है। इस कार्यक्रम में हाईस्कूल/इण्टरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा 2023 में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले , सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेल कूद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र/छात्राओं को सम्मानित किया गया। साहित्यकर सम्मान डॉ देवेंद्र कश्यप 'निडर' वृंदारक नाथ मिश्र, संदीप मिश्र सरस, डॉ प्रदीप वर्मा , चंद्रशेखर प्रजापति, अशोक अविरल, शिक्षाविद समाजसेवी आर डी वर्मा, श्री राम चंपा देवी के ससम्मानित प्रधानाचार्य श्री राकेश शुक्ल , विनय दीक्षित समेत क्षेत्र के तमाम कॉलेज के प्रबंधक, प्रधनाचार्य व शिक्षकों को भी अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित संस्थापक प्रबंधक डॉक्टर सुधाकर वर्मा ने सम्मानित किया द्य इस मौके पर डा बिन्द्रा प्रसाद धुरिया, कॉलेज के प्रधानाचार्य दिवाकर वर्मा उपप्रधानाचार्य सतीश चंद्र वर्मा, कार्यक्रम संयोजक कमलेश भार्गव , राकेश वर्मा , लवकुश वर्मा , जीतेन्द्र, पुष्पेन्द्र , डॉ राहुल वर्मा , पुष्पेन्द्र सिंह , सत्यप्रकाश, शशिकांत , अर्जुन वर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

आईपीएल मिनी ऑक्शन आज

क्या टूटेगा 20 करोड़ का बैरियर, 10 टीमों के पास 262 करोड़ का फंड

दिल्ली, एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग अगले साल 23 मार्च को शुरू होगा। इसके लिए 10 टीमें 19 दिसंबर को खिलाड़ियों की खरीदी करेंगी। IPL ऑक्शन मंगलवार यानी 19 दिसंबर को दुबई में दोपहर 1:00 बजे शुरू होगा। इस बार 333 प्लेयर्स पर बोली लगेगी। हालांकि, इनमें से अधिकतम 77 खिलाड़ी ही खरीदे जा सकेंगे। इनमें 30 स्लॉट विदेशी प्लेयर्स के लिए हैं। इस बार के ऑक्शन में 10 टीमों के पास 262.95 करोड़ रुपए बचे हुए हैं।

इनमें गुजरात, हैदराबाद, कोलकाता और चेन्नई 30 करोड़ रुपए से ज्यादा लेकर ऑक्शन में उतरेंगी। आसार हैं कि इन्हीं में से किसी एक टीम में IPL इतिहास का सबसे महंगा प्लेयर भी शामिल हो सकता है, जिसकी कीमत 20 करोड़ रुपए के पार जा सकती है।

मिचेल स्टार्क: नई और पुरानी दोनों गेंद से खतरनाक, बैटिंग भी कर लेते हैं

ऑस्ट्रेलिया के लेफ्ट आर्म पेसर मिचेल स्टार्क 8 साल बाद IPL में खेल सकते हैं। वह आखिरी बार 2015 में RCB का हिस्सा थे। नई और पुरानी दोनों गेंद से गेंदबाजी करने में माहिर स्टार्क के पास स्पीड और स्विंग भी है। स्टार्क लोअर ऑर्डर में अटैकिंग शॉट्स लगाने के साथ ठीक-ठाक बैटिंग भी कर लेते हैं।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 में 16 विकेट लेने वाले स्टार्क के नाम 58 टी-20 में 73 विकेट हैं। तीनों फॉर्मेट मिलाकर उन्होंने कुल 647 विकेट लिए हैं। IPL के 2 सीजन में उन्होंने 27 मैच खेले और 34 विकेट अपने नाम किए। 2018 में चयक्र ने स्टार्क को 9.40 करोड़ में खरीदा लेकिन वह इंजरी के कारण खेल नहीं सके थे।

स्टार्क का नाम तेज गेंदबाजों के सेट-4 में है। उनकी बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है। राजस्थान और हैदराबाद को छोड़कर सभी टीमें उनके लिए बिडिंग वॉ

रचिन रवींद्र

वनडे वर्ल्ड कप में 3 सेंचुरी जमाई, लेफ्ट आर्म स्पिनर भी

न्यूजीलैंड के लेफ्ट हैंड बैटिंग ऑलराउंडर रचिन रवींद्र ने वनडे वर्ल्ड कप में प्रभावित किया। उन्होंने 3 शतक के दम पर 578 रन बनाए। 24 साल के रचिन ने भारत में 64.22 की औसत से स्पिन और पेस दोनों के खिलाफ खूब रन बनाए। टॉप ऑर्डर में बैटिंग के साथ रचिन लेफ्ट आर्म स्पिन भी फेंक लेते हैं। रचिन ने न्यूजीलैंड के लिए 18 टी-20 इंटरनेशनल में करीब 118 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वह पहली बार IPL ऑक्शन में उतरेंगे। टी-20 करियर के 53 मैचों में उन्होंने करीब 123 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। रचिन का नाम ऑक्शन के सेट-2 में है। कीवी ऑलराउंडर ने अपनी बेस प्राइस महज 50 लाख रुपए रखी है। IPL में सभी टीमों को ऑलराउंडर की जरूरत है। गुजरात, हैदराबाद, कोलकाता, चेन्नई, पंजाब और दिल्ली के पास 29 करोड़ से ज्यादा रुपए का फंड है। इन्हीं में से कोई टीम रचिन को खरीद सकती है।

ट्रैविस हेड

वनडे वर्ल्ड कप में 3 सेंचुरी जमाई, लेफ्ट आर्म स्पिनर भी

एग्रेसिव बैटर, अटैकिंग शॉट्स खेलते हैं, बड़े मैच के खिलाड़ी

ऑस्ट्रेलिया के ओपनर ट्रैविस हेड ने वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में 137 रन बनाकर भारत से ट्रॉफी छीनी। उन्होंने टूर्नामेंट के 6 ही मैचों में 2 सेंचुरी लगाकर 329 रन बना दिए। उनका स्ट्राइक रेट भी 127 से ज्यादा का रहा। लेफ्ट हैंड बैटिंग के साथ हेड राइट आर्म ऑफ स्पिन भी फेंक लेते हैं। 23 टी-20 में उन्होंने 146 के स्ट्राइक रेट से 554 रन बनाए हैं। 10 IPL मैचों में उनके नाम 138.51 के स्ट्राइक रेट से 205 रन हैं, वह आखिरी बार 2017 में RCB का हिस्सा थे। हेड का नाम ऑक्शन के सेट-1 में है। उनकी बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है। IPL में SRH, KKR, GT और DC को टॉप ऑर्डर बैटर की जरूरत हैं। चारों ही टीमों के पास 28 करोड़ रुपए से ज्यादा का पर्स है, ऐसे में हेड की कीमत भी 10 से 15 करोड़ तक जा सकती है।

वनिंदू हसरंगा

वर्ल्डक्लास लेग स्पिनर, बड़े शॉट लगाने में माहिर

श्रीलंका के स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर वनिंदू हसरंगा टी-20 रैंकिंग के नंबर-3 बॉलर हैं। वह अपनी वर्ल्ड क्लास लेग स्पिन के दम पर किसी भी इंटरनेशनल टीम का हिस्सा बन सकते हैं। लेकिन वह लोअर ऑर्डर में बैटिंग भी कर लेते हैं। श्रीलंका के लिए 58 ही टी-20 में उनके नाम 91 विकेट और 533 रन हैं। IPL में RCB ने उन्हें 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। पिछले सीजन वह इंजरी के कारण ज्यादा मैच नहीं खेल सके। अब तक खेले कुल 26 IPL मैचों में उनके नाम 35 विकेट हैं। हसरंगा का नाम ऑक्शन के सेट-2 में आएगा, उनकी बेस प्राइस 1.50 करोड़ रुपए है। वह RCB के लिए 3 सीजन खेल चुके हैं, पिछली बार उनके लिए पंजाब और हैदराबाद ने भी बिडिंग वॉर किया था। इस बार KKR और CSK भी उनके लिए बड़ी बोली लगा सकती हैं।

हैरी ब्रूक

अटैकिंग बैटर, हर छठी बॉल पर लगाते हैं बाउंड्री

इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर बैटर हैरी ब्रूक टी-20 इंटरनेशनल में हर छठी बॉल पर बाउंड्री जमाते हैं। वह 25 टी-20 मुकाबलों में 141.02 के स्ट्राइक रेट से 495 रन बना चुके हैं। ब्रूक पार्ट टाइम बॉलिंग भी कर लेते हैं। वह इंटरनेशनल लेवल पर टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में भी अटैकिंग बैटिंग से सभी को प्रभावित कर चुके हैं। पिछले IPL में ब्रूक को SRH ने 13.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। लेकिन हैदराबाद की मुश्किल पिच के कारण 11 IPL मैचों में वह 190 रन ही बना सके। उन्होंने एक सेंचुरी लगाई, जो कोलकाता की फ्लैट पिच पर आई।

शार्दूल ठाकुर

अहम मौकों पर विकेट लेते हैं, अटैकिंग बैटर और फिनिशर

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज शार्दूल ठाकुर में अहम मौकों पर विकेट निकालने की क्षमता है। वह लोअर ऑर्डर में बड़े-बड़े शॉट लगाने के साथ मैच भी फिनिश कर सकते हैं। शार्दूल भारत के लिए 25 टी-20 में 33 विकेट ले चुके हैं। भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेल चुके शार्दूल को 2022 के मेगा ऑक्शन में दिल्ली ने 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। पिछले सीजन उन्हें कोलकाता ने शामिल किया, तब उन्होंने 113 रन बनाने के साथ 6 विकेट लिए। शार्दूल के नाम 86 IPL मैचों में 89 विकेट के साथ 286 रन भी हैं। ऑलराउंडर शार्दूल का नाम ऑक्शन के सेट-2 में है। उनकी बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है। वह पंजाब, पुणे, चेन्नई, दिल्ली और कोलकाता से खेल चुके हैं। भारत के पेस बॉलिंग ऑलराउंडर की सभी टीमों को जरूरत रहती है।

पैट कमिंस

वर्ल्ड कप विनिंग कप्तान, तेज गेंदबाज और अटैकिंग बैटर

ऑस्ट्रेलिया को अपनी कप्तानी में वनडे और टी-20 वर्ल्ड कप के साथ ऐशेज और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जिता चुके पैट कमिंस भी ऑक्शन में रहेंगे। 50 टी-20 इंटरनेशनल में उनके नाम 55 विकेट के साथ 116 रन हैं। 30 साल के अनुभवी कमिंस के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 438 विकेट के साथ 1717 रन हैं। IPL के 42 मैचों में कमिंस ने 379 रन बनाने के साथ 45 विकेट भी लिए हैं। वह 2021 के सीजन में KKR का हिस्सा थे, तब उन्होंने 14 बॉल में फिफ्टी लगाई थी। 2020 में कमिंस 15.50 करोड़ में बिके थे, इसलिए वह इस बार भी महंगे बिक सकते हैं।

मैडम तुसाद में लगे रणवीर सिंह के दो वैक्स स्टैच्यू

बोले- जहां कभी पैरेंट्स फोटोज खिंचवाते थे, अब उसी म्यूजियम में मेरा स्टैच्यू है

दिल्ली, एजेंसी।

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह ने मैडम तुसाद म्यूजियम में अपने वैक्स स्टैच्यू लॉन्च किए। इस म्यूजियम में रणवीर के एक नहीं बल्कि दो वैक्स स्टैच्यू लगाए गए हैं। सोमवार को एक्टर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस इवेंट की तस्वीरें शेयर करते हुए एक इमोशनल नोट लिखा है। इस पोस्ट में रणवीर ने अपने दोनों स्टैच्यू के साथ तीन फोटोज शेयर कीं।

पैरेंट्स के फोटोज देख प्रभावित होता था: रणवीर

फोटोज शेयर करते हुए रणवीर ने लिखा, 'जब मैं बड़ा हो रहा था तब अपने पैरेंट्स की वर्ल्ड फेमस पर्सनालिटीज के साथ फोटोज देखकर प्रभावित होता था। फिर एक दिन मुझे एहसास हुआ कि वो लंदन के फेमस मैडम तुसाद के वैक्स स्टैच्यू थे। इस म्यूजियम का अट्रैक्शन मेरे साथ रहा और अब यहां मेरे अपने वैक्स स्टैच्यू लग चुके हैं।'

रणवीर ने आगे लिखा- 'दुनिया के सबसे बेहतरीन पर्सनालिटीज में से एक के बीच अपना स्टैच्यू देखकर मैं सबका आभार व्यक्त करना चाहता हूं। इस लॉन्च इवेंट में रणवीर अपनी मां अंजू भवनानी के साथ पहुंचे थे। उन्होंने मां के साथ एक इंस्टा स्टोरी भी शेयर की है। उन्होंने लिखा- 'मेरी पूरी दुनिया.. मां.. देखो वो कितनी प्राउड हैं।' रिपोर्ट्स की मानें तो रणवीर ने इन स्टैच्यू की प्रोसेसिंग के दौरान म्यूजियम की टीम को अपने इनपुट्स भी दिए हैं। यहां मौजूद उनके दो स्टैच्यू में से एक लंदन और एक सिंगापुर में शोकेस किया जाएगा।

दूसरी तरफ उनका सिंगापुर वाला स्टैच्यू कस्टम टक्सीडो में नजर आ रहा है। उनके वेलवेट ब्लेजर में फ्लोरल वर्क भी किया गया है।

2019 में हुई थी अनाउंसमेंट

रणवीर के इन स्टैच्यू की अनाउंसमेंट 2019 में की गई थी जब एक्टर को IIFA अवॉर्ड्स सेरेमनी में मैडम तुसाद ऑफ द फ्यूचर अवॉर्ड मिला था। मैडम तुसाद के लंदन ब्रान्च में रणवीर से पहले अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय बच्चन और प्रियंका चोपड़ा समेत कई इंडियन सेलेब्स के वैक्स स्टैच्यू लगाए जा चुके हैं।

स्टैच्यू की प्रोसेसिंग में रणवीर ने दिए इनपुट्स

रिपोर्ट्स की मानें तो रणवीर ने इन स्टैच्यू की प्रोसेसिंग के दौरान म्यूजियम की टीम को अपने इनपुट्स भी दिए हैं। यहां मौजूद उनके दो स्टैच्यू में से एक लंदन और एक सिंगापुर में शोकेस किया जाएगा।

निऑन शेरवानी में नजर आया लंदन वाला स्टैच्यू

रणवीर का लंदन वाला स्टैच्यू निऑन शेरवानी में नजर आ रहा है। इसमें उनके आउटफिट्स में काफी डिटेलिंग वर्क किया गया है। साथ ही इसमें वो ट्रिपल लेयर्ड डायमंड और पर्ल नेकलेस के साथ जेमस्टोन सेट रिंग्स भी पहने नजर आ रहे हैं।

एनिमल फेम तृप्ति डिमरी के बॉयफ्रेंड का नाम सामने आया

अनुष्का शर्मा के भाई कर्णेश से ब्रेकअप के बाद बिजनेसमैन से डेटिंग की चर्चा

दिल्ली, एजेंसी।

इस साल की ब्लॉकबस्टर फिल्म एनमिल में जोया का बेहतरीन किरदार निभाकर एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी सुर्खियों में हैं। तृप्ति कुछ समय पहले तक एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा के भाई कर्णेश के डेट करने की खबरों से चर्चा में थीं, लेकिन अब खबरें हैं कि दोनों का ब्रेकअप हो चुका है। अब ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो एक्ट्रेस बिजनेसमैन सैम मर्चेंट को डेट कर रही हैं। कुछ समय पहले ही नेशनल क्रश बन चुकीं तृप्ति डिमरी एक शादी में शामिल हुई थीं।

तृप्ति के फैन पेज पर इस वेडिंग सेरेमनी की कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। सामने आई एक सेल्फी में तृप्ति और सैम मर्चेंट साथ में पोज कर रहे हैं, जिससे तृप्ति के डेटिंग रूमर्स शुरू हो गए हैं। न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार तृप्ति डिमरी इन दिनों सैम मर्चेंट को डेट कर रही हैं। सैम मर्चेंट एक बिजनेसमैन हैं जो गोवा के वॉटर बीच लॉन्ज एंड ग्रिल के मालिक हैं। डेकन क्रॉनिकल की एक रिपोर्ट के अनुसार सैम मर्चेंट ग्लेमर वर्ल्ड का भी हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने साल 2002 में ग्लैडरेग्स मैनहंट कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया था और जीत हासिल की थी।

बताते चलें कि अब तक तृप्ति डिमरी और सैम मर्चेंट दोनों ने ही अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट से साथ में कोई तस्वीर पोस्ट नहीं की है।

अनुष्का शर्मा के भाई को डेट कर चुकी हैं तृप्ति

बॉलीवुड एक्ट्रेस के भाई और प्रोड्यूसर कर्णेश शर्मा और तृप्ति डिमरी 6 महीने पहले तक रिलेशनशिप में थे। 6 महीने पहले ही दोनों का ब्रेकअप हुआ है, हालांकि दोनों ने ही अपने रिलेशनशिप को सीक्रेट रखा था। कर्णेश बहन अनुष्का के साथ क्लीनस्लेट प्रोडक्शन हाउस के को-फाउंडर हैं।

सिटीज़न वॉयस अवाम की आवाज़
स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक नजर मेंहदी ने ए0जे0 इन्टरप्राइज़ेज, 165/162 कल्लन की लाट, गुलमर्ग होटल के पीछे, हाता फकीर मोहम्मद खान, अमीनाबाद, लखनऊ, उ0प्र0-226018 से मुद्रित कराकर 165/162 कल्लन की लाट, गुलमर्ग होटल के पीछे, हाता फकीर मोहम्मद खान, अमीनाबाद, लखनऊ उ0प्र0- 226018 से प्रकाशित किया।
फोन: 0522-4072246, 7652036622, 9453849516 E-mail: citizenvoicelko@gmail.com
सम्पादक: नजर मेंहदी RNI NO - UPHIN/2009/28809 website : www.citizenvoice.in